दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 2 ■ अंक : 31 | ग्वालियर, रविवार 30 अक्टूबर 2022 | पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

पाकिस्तान में आंतरिक बगावत शुरू

सेना के खिलाफ इमरान की जंग को जनसमर्थन

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में राजनीतिक हलचलें बड़ी तेज हो गई हैं। इमरान खान ने सरकार और सेना के खिलाफ खुली जंग छेड़ दी है। पंजाब प्रांत से उन्होंने जो यात्रा शुरू की है। वह इस्लामाबाद तक जाएगी। रास्ते में इमरान खान की इस मार्च यात्रा को बड़े स्तर पर जन समर्थन मिल रहा है। पाकिस्तान में महंगाई और बेरोजगारी के कारण हालत दिन-ब-दिन, बद से बदतर होते जा रहे हैं। जनता में सरकार और सेना के खिलाफ भारी गुस्सा बना हुआ है। हाल ही में पाकिस्तानी पत्रकार अरशद शरीफ की हत्या होने के बाद जनता भड़क गई है। अरशद उन पत्रकारों में शामिल थे। जो खुलकर शहबाज शरीफ सरकार पर निशाना साध रहे थे। उनकी हत्या के बाद जैसे बारूद के ढेर में आग लग गई हो। पाकिस्तान की जनता में इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हुई है। इमरान खान इसको हवा दे रहे हैं। उन्होंने इस मौके का फायदा सरकार,सेना के खिलाफ और अपने राजनीतिक हितों को साधने के लिए किया है।

पहली बार सेना दबाव में

अरशद शरीफ पत्रकार की हत्या में पाकिस्तान की राजनीति ने वह कर दिखाया है। जो पाकिस्तान के इतिहास में इसके पहले कभी नहीं हुआ। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई को पत्रकार वार्ता करनी पड़ी। आईएसआई चीफ नदीम अंजुम ने कहा वह सेना और एजेंसी के खिलाफ इमरान खान के आरोपों का जवाब देने के लिए आए हैं। इमरान के आरोपों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि जनरल बाजवा को आजीवन जनरल बनाए रखने की पेशकश

खुद इमरान ने की थी। पाकिस्तान में यह पहली बार हुआ है जब आईएसआई चीफ को पत्रकार वार्ता कर जवाब देना पड़ा।

इमरान के मार्च से घबराई सरकार

पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने जब पिछली बार मार्च निकाला था। तब काफी बवाल हुआ था। सरकार को उसे नियंत्रित करने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी थी। हाल ही में इमरान खान ने जो मार्च फिर से शुरू किया है। उसको मिल रहे जनसमर्थन को देखते हुए सरकार ने बड़े पैमाने पर उससे निपटने की तैयारी शुरू कर दी है। पाकिस्तान के गृह मंत्री राणा सनाउल्ला के आदेश पर भीड़ को कंट्रोल करने के लिए डंडे, आंसू गैस के गोले का स्टॉक जगह-जगह तैयार किया गया है। महंगाई और बेरोजगारी के चलते आम आदमी इन दिनों बहुत परेशान है। इमरान खान ने इस यात्रा को नई आजादी का नाम देकर ज्यादा से ज्यादा लोगों से उनके साथ इस्लामाबाद चलने की पेशकश की है। इमरान खान ने कहा कि इस असली आजादी के लिए उनके द्वारा पूर्व में जो गलतियां हुई हैं। वह दोबारा नहीं होंगी। इस अपील का असर पाकिस्तान में देखने को मिल रहा है।

मार्च दिखाने पर प्रतिबंध

पाकिस्तान की सरकार ने पंजाब से शुरू हुए इमरान खान के इस मार्च का टीवी प्रसारण में नहीं दिखाने के आदेश दिए हैं। पाकिस्तान की सरकार और सेना मिलकर किसी भी स्थिति में शांति बनाए रखने के लिए प्रयासरत है। जिस तरह से इमरान खान को इस बार जनसमर्थन मिल रहा है। उससे सरकार की चिंता बढ़ गई है। पाकिस्तान में हमेशा से सेना मजबूत रही है। कई बार पाकिस्तान में सेना का शासन भी रहा है। वर्तमान संदर्भ में पाकिस्तान की सेना इस बार कमजोर नजर आ रही है। इमरान खान के आक्रमक तेवर और उनको मिल रहे जनसमर्थन को देखते हुए सेना ने भी अपने स्तर पर इस विद्रोह को दबाने की तैयारियां कर ली हैं।

वंदे भारत ट्रेन के साथ फिर एक बार हादसा, वलसाड के निकट आवारा पशु टकराया

वलसाड। गांधीनगर कैपिटल और मुंबई के बीच चलने वाली वंदे भारत हाईस्पीड ट्रेन के साथ फिर एक बार हादसा हुआ है7 वलसाड के निकट आवारा पशु ट्रेन के साथ टकरा गया7 इस घटना

में ट्रेन के अगले हिस्से को नुकसान हुआ है7 हांलाकि दुर्घटना के बाद ट्रेन रिस्टोर कर रवाना कर दी गई7 ट्रेन से टकराने वाले पशु के मालिक के खिलाफ केस दर्ज किया जा सकता है7 इससे पहले भी अहमदाबाद में निकट इसी प्रकार दुर्घटना हुई थी7 गत 6 अक्टूबर को गांधीनगर से मुंबई के रवाना हुई वंदे भारत ट्रेन से एक भैंस टकरा गई थी7 अहमदाबाद के मणिनगर और वटवा के बीच हुए इस मामले में आरपीएफए ने रेलवे अधिनियम 1989 की धारा 147 के तहत भैंस के मालिक के खिलाफ केस दर्ज किया था7 इस घटना के दूसरे ही दिन 7 अक्टूबर को आणंद स्टेशन के निकट एक गाय वंदे भारत ट्रेन से टकरा गई थी7 राहत की बात यह है कि अब तक हुई तीनों दुर्घटनाओं में किसी प्रकार की जानहानि नहीं हुई7 केवल ट्रेन के अगले हिस्से को नुकसान हुआ था7 बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गत 30 सितंबर को गांधीनगर कैपिटल से मुंबई के बीच तीसरी वंदे भारत ट्रेन सेवा का उदघाटन किया था7 गांधीनगर कैपिटल-मुंबई के बीच पहली वंदे भारत ट्रेन में पीएम मोदी ने अहमदाबाद तक यात्रा भी की थी।

खास खबर

यूक्रेन के समर्थन में कनाडा ने रूस के 35 और नागरिकों पर लगाई पाबंदी

टोरंटो। यूक्रेन पर हमलावर देश रूस को लेकर दुनिया में उसके खिलाफ आवाजे ते हो रहा हैं अब कनाडा सरकार ने रूस के 35 और नागरिकों पर पाबंदी लगाने की शुक्रवार को घोषणा की। पीएम जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि जिन लोगों पर प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं, उनमें रूस के स्वामित्व वाली ऊर्जा कंपनी गजप्रोम और छह ऊर्जा क्षेत्र की संस्थाओं से जुड़े लोग शामिल हैं। ट्रूडो ने एक बयान में कहा, रूस के यूक्रेन के खिलाफ अपने अवैध हमलों को जारी रखने के बीच कनाडा सरकार यूक्रेनी सरकार और उसके लोगों का समर्थन करना जारी रखेगी।

दीपावली पर पत्रकारों को नकद उपहार देने से सीएम की छवि खराब हुई, बोम्मई ने जताई अनभिज्ञता

बेंगलुरू। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने दावा किया है कि कर्नाटक के सीएमओ द्वारा दीवाली पर पत्रकारों को कथित रूप से नकद उपहार देने के विवाद ने मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई की छवि को धूमिल किया है। बोम्मई के करीबी सहयोगियों ने राज्य के वरिष्ठ पत्रकारों को कथित तौर पर मिठाई का डिब्बा और 1-2.50 लाख रुपए नकद वितरित किए। इस घटना के बाद, सोशल मीडिया पर मीम्स और प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई है। सोशल मीडिया पर मीडियाकर्मियों को रिश्वत देने के लिए मुख्यमंत्री को ट्रोल किया जा रहा है। सोशल मीडिया पोस्ट में यूजर्स ने पत्रकारों को नकद वापस करने के लिए कहा है। विवाद बढ़ने पर कुछ वरिष्ठ पत्रकारों ने उपहार लौटा दिए। दो संपादकों ने भी मुख्यमंत्री बोम्मई को पत्र लिखकर इस कृत्य की निंदा की है। हालांकि, मुख्यमंत्री ने दावा किया कि वह घटना से अनजान हैं। सूत्रों ने बताया उन्होंने संपादकों को भी फोन किया और माफी मांगी। जनाधिकार संघर्ष परिषद संगठन ने लोकायुक्त में पत्रकारों को घूस देने की कोशिश करने के आरोप में सीएमओ के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

श्रीनगर में कुरान के साथ बेअदबी, आरोपी गिरफ्तार

जम्म। श्रीनगर के खान मस्जिद गोजवाड़ा में शुक्रवार को मलूरा के इरशाद अहमद मीर ने कुरान को पानी में फेंक दिया। इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने रात भर छापेमारी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। श्रीनगर पुलिस ने कहा कि आरोपी मानसिक रूप से अस्वस्थ दिखाई देता। इस मामले में नौहट्टा पुलिस स्टेशन में संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

बीएसएफ ने घुसपैठिए पाकिस्तानी नागरिक को ढेर किया

गंगानगर। राजस्थान के पाक सीमावर्ती जिले गंगानगर में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों की मुस्तैदी के चलते शुक्रवार रात भारतीय सीमा में घुसपैठ की कोशिश कर रहे एक पाकिस्तानी नागरिक को ढेर कर दिया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। गंगानगर के पुलिस अधीक्षक आनंद शर्मा ने बताया कि घटना शुक्रवार रात जिले के सीमावर्ती अनूपगढ़ सेक्टर में हुई, जहां बीएसएफ के जवानों ने एक पाकिस्तानी नागरिक को तारबंदी के पास भारतीय सीमा में घुसने की कोशिश करते देख आगाह किया। शर्मा के मुताबिक, पाकिस्तानी नागरिक के न रुकने पर जवानों ने गोलीबारी की, जिसमें उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि इस संबंध में अनूपगढ़ थाने में एक मामला दर्ज कर शव को मुर्दाघर में रखवाया गया है।

राम रहीम की पैरोल पर खड़े हुए सवाल, वकील ने पैरोल रद्द करने की मांग की

रोहतक। डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख राम रहीम को पैरोल का मामला फिर सुर्खिया में आ गया है। दरअसल पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के एडवोकेट एचसी अरोड़ा ने हरियाणा के चीफ सेक्रेटरी को नोटिस भेजा है। उन्होंने नोटिस में राम रहीम की पैरोल तत्काल

रद्द करने की मांग की है। चंडीगढ़ के वकील अरोड़ा ने हरियाणा के मुख्य सचिव को भेजे नोटिस में कहा है कि राम रहीम को साध्वियों के यौन शोषण और हत्या के मामले में दोषी ठहराया गया है। हरियाणा सरकार ने उन्हें 40 दिन की पैरोल दी, जिसके दौरान वह यूपी के बागपत में रहकर सत्संग कर रहा है। एडवोकेट ने राम रहीम के ऑनलाइन सत्संग पर भी सवाल खड़े किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इसमें सत्ताधारी भाजपा और विपक्षी दलों के नेता राम रहीम से आशीर्वाद ले रहे हैं।

इससे पंचायत चुनाव और आदमपुर उपचुनाव की निष्पक्षता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल का कहना है कि गुरमीत राम रहीम एक बलात्कारी और हत्यारा है। कोर्ट ने राम रहीम को उम्रकैद की सजा सुनाई है। हम देखते हैं कि हरियाणा सरकार का जब भी मन करता है, वह राम रहीम को पैरोल पर छोड़ देती है और इस बार, तब वह पैरोल पर बाहर आकर अलग-अलग जगहों पर सतसंग कर रहा है।

बीमारियों के बढ़ते ग्राफ से चिंतित जमशेदपुर सहित देशभर के चिकित्सक राष्ट्रपति मुर्मु से मिले

जमशेदपुर। देश में लगातार बढ़ती बीमारियों के ग्राफ को लेकर देशभर के चिकित्सकों ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। सबसे पहले सीसीडीएसआई (क्लिनिकल कार्डियो-डायबिटीज सोसाइटी आफ इंडिया) चिकित्सकों ने राष्ट्रपति को बधाई दी। इसके बाद उन्हें मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा, डिस्लिपिडेमिया और हृदय रोगों जैसे जीवन-शैली से होने वाली रोगों की रोकथाम के लिए अपने मिशन और प्रयासों से अवगत कराया। जमशेदपुर के डा. अनिल कुमार विरमानी ने बताया कि कम उम्र में मधुमेह होना चिंता का विषय है। इसे लेकर विशेष रूप से काम करने की जरूरत है। खासकर स्कूल व ग्रामीण क्षेत्रों में जांच अभियान चलाकर ऐसे बच्चों को चिन्हित किया जाए। ताकि हमारा देश स्वस्थ रहें और एक नई मुकाम हासिल कर सकें। इस अवसर पर प्रो. डा. एएन राय (सीसीडीएसआई, गया के संस्थापक अध्यक्ष), डा. जयंत पांडा (सीसीडीएसआई, कटक के अध्यक्ष), डा. अनिल कुमार विरमानी (निर्वाचित अध्यक्ष सीसीडीएसआई, जमशेदपुर), डा. मृत्युंजय सिंह (सचिव, सीसीडीएसआई, गया, डा. अभिषेक कुमार (संयुक्त सचिव सीसीडीएसआई, पटना) और डा. निहारिका (कार्यकारी सदस्य सीसीडीएसआई, पटना) शामिल थे। जमशेदपुर में डेंगू, स्वाइन फ्लू व जापानी इंसेफ्लाइटिस (जेई) के मरीज बढ़ने लगे। शुक्रवार को कुल 11 संदिग्ध मरीज मिले। इसमें डेंगू के पांच, स्वाइन फ्लू के चार व जेई के दो संदिग्ध मरीज शामिल हैं। इन मरीजों का इलाज टिनप्लेट, रेलवे अस्पताल व टीएमएच में चल रहा है। मरीजों की उम्र चार, 13, 32, 41, 50 सहित अन्य है। ये मरीज कदमा, घाटशिला, आदित्यपुर, बिरसानगर, बारीडीह सहित अन्य क्षेत्रों के रहने वाले हैं। जिला सर्विलांस विभाग ने सभी पीड़ितों का नमूना लेकर जांच के लिए एमजीएम कालेज भेजा है। मालूम हो कि दो दिन पूर्व भी बागबेड़ा बड़ौदा घाट क्षेत्र में डेंगू के पांच मरीज मिले थे।

शीतकालीन गद्दी ओंकारेश्वर मंदिर में विराजे बाबा केदारनाथ, छह माह यहीं पर होगी उपासना भक्ति

फाटा। देव भूमि उत्तराखंड में आस्था के प्रतीक भगवान केदारनाथ विभिन्न पड़ावों पर भक्तों को दर्शन देने के बाद शनिवार को शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ में विराजमान हो गए। शनिवार को बाबा केदार की उत्सव डोली अपने शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर

मंदिर ऊखीमठ पहुंची, जहां मंदिर की एक परिक्रमा करने के बाद भोले बाबा की पंचमुखी भोगमूर्ति को गद्दीस्थल में विराजमान किया गया। अब शीतकाल के छह माह यहीं पर भोले बाबा की नित्य पूजाएं संपन्न की जाएंगी। वहीं, शुक्रवार को बाबा केदार की उत्सव डोली रामपुर से प्रस्थान कर अपने दूसरे पड़ाव विश्वनाथ मंदिर गुप्तकाशी पहुंची, जहां भक्तों ने फूल व अक्षतों से उत्सव डोली का भव्य स्वागत किया। गुरुवार को द्वादश ज्योर्तिलिंग में शामिल भगवान केदारनाथ के कपाट शीतकाल के लिए बंद होने के उपरांत भोले बाबा की उत्सव डोली रात्रि विश्राम के लिए रामपुर पहुंची थी। शुक्रवार को सुबह ठीक आठ बजे मुख्य पुजारी टी. गंगाधर लिंग ने भोले बाबा की पंचमुखी भोगमूर्ति की विशेष पूजा-अर्चना कर भोग लगाया। इस दौरान स्थानीय ग्रामीणों, व्यवसायियों एवं श्रद्धालुओं ने बाबा की पंचमुखी डोली का फूलमालाओं से भव्य स्वागत किया। बड़ी संख्या में भक्तों ने भोले बाबा के दर्शन कर आशीर्वाद भी लिया। बाबा की पंचमुखी चलविग्रह उत्सव डोली की अगुआई कर रही मराठा रेजीमेंट के बैंड की धुनों एवं भक्तों के जयकारों से क्षेत्र का वातावरण शिवमय हो गया। साढे 8 बजे भगवान की उत्सव डोली अपने अगले पड़ाव के लिए रवाना हुई। भगवान की उत्सव डोली के शेरसी, बडासू, तरसाली, जामू होते फाटा पहुंचने पर स्थानीय व्यापारी एवं भक्तों ने फूल व अक्षतों से डोली का भव्य स्वागत किया।

आप के बाद अब कांग्रेस ने खोला वादों का पिटारा, 300 यूनिट बिजली का ऐलान

किसानों को कर्ज होगा माफ, 10 लाख रोजगार, बेरोजगारों को 3000 का मासिक भत्ता, 500 में गैस सिलंडर

अहमदाबाद। गुजरात विधानसभा चुनाव जीतने के लिए भाजपा, कांग्रेस और आप समेत सभी राजनीतिक दल वोटरों को रिझाने की भरपूर कोशिश कर रहे हैं अब तक गुजरात में भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला होता था, लेकिन अबकी बार आम आदमी पार्टी के मैदान में उतरने मुकाबला दिलचस्प हो गया है आप अब मुफ्त बिजली, शिक्षा समेत कई वादे कर चुकी है आप के बाद अब कांग्रेस ने भी अपने वादों का पिटारा खोल दिया है गुजरात प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सिद्धार्थ पटेल ने कांग्रेस के सत्ता में आने पर 300 यूनिट बिजली फ्री देंगे किसानों का कर्ज माफ करने के साथ ही

राज्य के सभी नागरिकों को रु. 10 लाख तक स्वास्थ्य बीमा कवच देंगे कांग्रेस की सरकार बनती है तो रसोई गैस सिलिंडर रु. 500 में मिलेगा राज्य में 10 लाख लोगों को रोजगार देंगे जब तक नौकरी नहीं मिलती तब तक युवकों को प्रति माह रु. 3000 बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा राज्य में कोन्ट्रेक्ट प्रथा खत्म की जाएगी गुजरात की बेटियों के लिए केजी से पीजी तक पढ़ाई मुफ्त होगी कांग्रेस सत्ता में आई तो पशुपालकों को प्रति लीटर रु. 5 की सब्सिडी दी जाएगी कोरोनाकाल में मारे गए लोगों के परिजन को रु. 4 का मुआवजा दिया जाएगा सिद्धार्थ पटेल ने कहा कि गुजरात में कांग्रेस की सरकार बनते ही भाजपा शासन के 27 साल के दौरान हुई अनियमितताओं की जांच कराएगी और दोषियों को जेल भेजा जाएगा कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना लागू की जाएगी कांग्रेस सत्ता में आई तो ग्रामीण क्षेत्रों की भांति शहरों में मनरेगा योजना शुरू की जाएगी गौरतलब है पंजाब में जिस प्रकार आप ने वादे किए थे उसी अनुसरण करते हुए अब कांग्रेस ने भी वादों का पिटारा खोल दिया है बिजली, शिक्षा, रोजगार समेत कई वादे अरविंद केजरीवाल गुजरात की जनता से कर चुके हैं अब कांग्रेस ने भी बिजली, शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य समेत कई वादे कर वोटरों को रिझाने का प्रयास किया है।

बैंकों को अपनी आंतरिक लोकपाल प्रक्रियाओं को मजबूत करने की जरूरत: दास

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बैंकिंग और वित्तीय सेक्टर में ग्राहकों के सामने लगातार बनी हुई समस्याओं को हल करने की जरूरत पर जोर दिया है। इसमें मिससेलिंग, पारदर्शिता की कमी, लोन रिकवरी के गलत तरीके और वित्तीय सेवाओं पर भारी सर्विस चार्ज व जुर्माना जैसे मुद्दे शामिल हैं। जोधपुर में आरबीआई लोकपाल के वार्षिक सम्मेलन में रिजर्व बैंक के गवर्नर ये बातें कही। उन्होंने बैंकों के रिकवरी एजेंटों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली गलत व्यवहार के कारण कर्जदारों को होने वाली परेशानी का जिक्र किया। गवर्नरदास ने कहा कि बैंक और अन्य फाइनेंस सर्विस प्रोवाइडर इन कार्यों के लिए जिम्मेदार हैं और रिकवरी के लिए इसतरह के तरीकों का इस्तेमाल अस्वीकार्य है। दास ने कहा कि भुगतान से जुड़ी धोखाधड़ी की कई घटनाएं चिंता का कारण हैं। उन्होंने कहा कि धोखाधड़ी के नए तौर-तरीकों के मद्देनजर असाधारण सतर्कता और तैयारी की जरूरत है। इसलिए ग्राहकों को शिक्षित करना एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया है। विनियमित संस्थाओं को ग्राहक सेवा और

शिकायत निवारण तंत्र के कामकाज में गंभीर समीक्षा करने की जरूरत है। धोखधड़ी और पारदर्शिता जैसे मुद्दों पर ग्राहकों की शिकायतों के लगातार बने रहने के मूल कारण का विश्लेषण करना चाहिए और तुरंत आवश्यक सुधारात्मक उपाय किए जाने की जरूरत है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि इन मुद्दों और शिकायतों को हल करने के लिए बैंकों को अपनी आंतरिक लोकपाल प्रक्रियाओं को मजबूत करने की जरूरत है, जिससे ग्राहकों को आरबीआई लोकपाल से संपर्क करने की आवश्यकता खत्म हो। आंतरिक लोकपाल की शुरुआत 2018 में बैंक या एनबीएफसी के भीतर एक स्वतंत्र शीर्ष प्राधिकरण के रूप में की गई थी।

मंदिर और घर को उड़ाने की फिराक में था आत्मघाती हमलावर, गलती से हो गया विस्फोट

कोयंबटूर कार विस्फोट की जांच में एनआईए को मिले सुराग

कोयंबटूर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी एनआईए ने तमिलनाडु के कोयंबटूर कार विस्फोट में मारे गए 29 साल के इंजीनियरिंग ग्रेजुएट के आत्मघाती हमलावर होने की आशंका जताई है। मामले की जांच कर रही एनआईए ने कहा है कि संदिग्ध हमलावर विस्फोटकों के इस्तेमाल में नौसिखिया रहा होगा, जिसके चलते वह अपने मिशन में फेल हो गया। उल्लेखनीय है कि पिछले रविवार को कोयंबटूर में एक कार के एलपीजी टैंक में विस्फोट हो गया था, जिसमें जेमिशा मुबिन नाम के एक युवक की मौत हो गई थी। एक प्रत्यक्षदर्शी ने पुलिस को बताया कि जैसे ही मुबिन ने कोट्टईमेदु इलाके स्थित संगमेश्वर मंदिर के सामने तड़के 4 बजे कार रोकी और अचानक उसमें ब्लास्ट हो गया। आग की लपटों से घिरा मुबिन कार से बाहर निकला और कुछ ही दूरी पर जमीन पर जाकर गिर गया। प्रत्यक्षदर्शी ने एनआईए जांचकर्ताओं को बताया कि जब तक कि कोई वहां पहुंचता बॉडी पूरी तरह जल गई थी। जांचकर्ताओं ने पाया कि

इस हमले की साजिश के तहत, कार में रखे एक या दो एलपीजी सिलेंडर के विस्फोट से मंदिर से सटे कई घर भी चपेट में आ सकते थे। इस बात की आशंका व्यक्त की जा रही है कि मुबिन आईएसआईएस के संपर्क में आने के बाद कट्टरपंथी बन गया होगा, लेकिन उसे सही तरह से ट्रेनिंग नहीं मिली थी। विस्फोटक हैंडलिंग की जो भी जानकारी उसके पास थी वह उसने या तो कहीं से पढ़कर या इंटरनेट पर देखकर इकट्ठा की थी। इस मामले में गिरफ्तार 6 संदिग्धों ने एनआईए की पूछताछ में बताया कि मुबिन ने सोचा कि उसके सुइसाइड बॉम्बिंग मिशन से इलाके में 50 से 100 मीटर के दायरे में तबाही मच जाएगी और मंदिर समेत कुछ घर भी इसकी जद में आ आएंगे। हमले से एक दिन पहले शनिवार को मुबिन और उसके दो साथियों- मोहम्मद अजहरुद्दीन और के अफसर खान ने कार में दो एलपीजी सिलेंडर के साथ पोटेशियम नाइट्रेट से भरे तीन स्टील के ड्रम, एल्युमिनियम पाउडर, सल्फर, चारकोल और कीलें वगैरह रखी थी। सीसीटीवी कैमरे में इस घटना के फुटेज भी हैं। दूसरे कैमरों के फुटेज में मुबिन और उसके साथियों की हमले से पहले उस इलाके में मूवमेंट दिख रही है। तीनों ने बिग बाजार गली स्थित कोनियम्मन मंदिर और पुलियाकुलम मुंधी विनयागर मंदिर की भी रेकी की थी।

पर्थ में कल द. अफ्रीका से भिड़ेगी टीम इंडिया, तेज पिच पर गेंदबाजों पर होगा दारोमदार

नई दिल्ली । आत्मविश्वास से भरी भारतीय क्रिकेट टीम टी20 वर्ल्ड कप में अब दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगी। यह मुकाबला पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में रविवार 30 अक्टूबर को खेला जाएगा। पर्थ का विकेट तेज गेंदबाजों के मुफीद माना जाता है। तेज गेंदबाज यहां अतिरिक्त उछाल वाली पिच पर अपनी रफ्तार का नमूना पेश करेंगे। टीम इंडिया ने टी20 विश्व कप से एक सप्ताह पहले यहीं पर अपना ट्रेनिंग कैंप लगाया था। भारत ने पर्थ में ही वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो प्रैक्टिस मैच खेले थे, ताकि उसके बल्लेबाज और गेंदबाज बाउंसी और तेज पिचों से अपना सामंजस्य बिठा सके। भारत और दक्षिण अफ्रीका की टीमों ने आपस में कुल 23 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। इस दौरान भारत को 13 मैचों में जीत मिली है, जबकि दक्षिण अफ्रीका की टीम के खाते में 9 जीत दर्ज हैं। एक मुकाबले का रिजल्ट नहीं निकल सका है। दोनों टीमें साल 2006 में पहली बार टी20 इंटरनेशनल मैच में आमने सामने हुई थीं।

बेशक, आंकड़ों में भारत का पलड़ा भारी है, लेकिन दक्षिण अफ्रीका की टीम से टीम इंडिया को सावधान रहना होगा। क्योंकि दक्षिण अफ्रीकी टीम में बेहतरीन तेज गेंदबाज मौजूद हैं, जो अपनी गति से कोई भी बड़ा उलटफेर कर सकते हैं। जहां तक इस स्टेडियम में टी20 मैच खेलने का सवाल है तो अभी तक यहां 5 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले गए हैं और सभी मुकाबलों में तेज गेंदबाजों ने जमकर कहर बरपाया है।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं : भारत- रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पंड्या, दिनेश कार्तिक, ऋषभ पंत, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, रविचंद्रन अश्विन, मोहम्मद शमी, भुवनेश्वर कुमार, अर्शदीप सिंह, हर्षल पटेल, दीपक हुडा।

दक्षिण अफ्रीकाः टेंबा बावूमा (कप्तान), क्विंटन डिकॉक, रीजा हैंड्रिक्स, हेनरिच क्लासेन, केशव महाराज, एडेन मार्करम, डेविड मिलर, लुंगी एंगिडी, एनरिच नॉर्किया, वेन पार्नेल, मार्को यानेसन, कैगिसो रबाडा, राइली रुसो, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स।

भारतीय टीम के लिए सेमीफाइनल की रेस में द. अफ्रीका के साथ जिम्बाब्वे भी पेश करेगा कड़ी चुनौती

नई दिल्ली । टी20 वर्ल्ड कप 2022 में भारतीय टीम की अब तक की यात्रा शानदार रही है। टीम इंडिया का तीसरा मुकाबला रविवार को दक्षिण अफ्रीका से होना है। अफ्रीका के खिलाफ मुकाबला काफी चुनौतीपूर्ण रहने वाला है, इसमें जीत के लिए भारतीय टीम को ए?ी चोटी का जोर लगाना होगा। इसके अलावा, भारतीय टीम को पाकिस्तान जैसी मजबूत टीम को मात देने वाली जिम्बाब्वे की टीम से भी सतर्क रहना होगा। पाकिस्तान के खिलाफ जिम्बाब्वे के गेंदबाजों ने जिस प्रकार से सराहनीय प्रदर्शन किया था, उसे देख हर कोई चकित है। हालांकि भारतीय टीम के लिए अच्छी बात यह है कि अगर वह दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश के खिलाफ अपने मुकाबले जीत लेती है, तो उसे आखिरी मुकाबले में जिम्बाब्वे के खिलाफ ज्यादा सोचना नहीं प?ेगा। क्योंकि भारत पहले ही पाकिस्तान और नीदरलैंड्स की टीम को मात दे चुका है। जबकि उसे तीन मुकाबले और खेलने हैं। इस तीनो मुकाबलों में ब्लू टीम को दो जीत मिलती हैं, तो वह आसानी से सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर जाएगी। अंक तालिका में भारतीय टीम अपने दो मुकाबलों में जीत के बाद 4 अंक लेकर पहले स्थान पर है। वहीं दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे के क्रमशः तीन-तीन अंक हैं। रन औसत अच्छा होने की वजह से अफ्रीका दूसरे और जिम्बाब्वे की टीम तीसरे स्थान पर है। वहीं बांग्लादेश की टीम दो अंको के साथ चौथे पायदान पर है। जिम्बाब्वे के साथ-साथ बांग्लादेश की टीम भी सेमीफाइनल की रेस में बनी हुई है, लेकिन दोनों टीमों के फॉर्म को देखते हुए कहना मुश्किल है कि सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर पाएंगी। पाकिस्तान और नीदरलैंड्स की टीम अपने दोनों मुकाबलों में शिकस्त खाने के बाद क्रमशः पांचवें एवं छठवें स्थान पर काबिज हैं।

न्यूज़ ट्रैक....

एफआईएच हॉकी प्रो लीग में 28 अक्टूबर को न्यूज़ीलैंड से खेलेगी भारतीय टीम

भुवनेश्वर । एफआईएच हॉकी प्रो लीग में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ अपने पहले ही मुकाबले के लिए भारतीय टीम तैयार हैं। इसके लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने यहां कलिंगा स्टेडियम के जिम में जमकर अभ्यास किया। कप्तान मनप्रीत सिंह की भारतीय टीम ने एफआईएच पुरुष हॉकी प्रो लीग 2021-22 में नीदरलैंड और बेल्जियम के बाद तीसरा स्थान हासिल किया था और इस साल वह अपना प्रदर्शन सुधारने के इरादे से जीत के साथ एक मज़बूत शुरुआत करना चाहेगी। भारतीय टीम अगले हफ्ते होने वाले मैच के लिये शुक्रवार को भुवनेश्वर पहुंची। एफआईएच प्रो लीग 2022-23 के पहले मैच में न्यूज़ीलैंड का मुकाबला करने के बाद भारत दूसरे मैच में 30 अक्टूबर को स्पेन से खेलेगी। 4 नवंबर को भारत का मुकाबला एक बार फिर न्यूज़ीलैंड से होगा, जबकि छह नवंबर को भारत और स्पेन की टक्कर होगी। सभी मुकाबले भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में शाम सात बजे से होंगे।

मर्डेका कप फिर से शुरु होने की संभावना

कुआलालंपुर । अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने मलेशियाई फुटबॉल महासंघ से कहा है कि मर्डेका कप को फिर से शुरू किया जाये इस साल की शुरूआत में एआईएफएफ का अध्यक्ष बनने के बाद से ही चौबे मलेशियाई फुटबॉल महासंघ से इस प्रतियोगिता को फिर से प्रारंभ करने की अपील करते रहे हैं। भारतीय टीम दो बार इस टूर्नामेंट में उपविजेता रही है। इस टूर्नामेंट से खिलाड़ियों को बेहतर होने में सहायता मिलती है। मलेशिया शुरुआत से ही मर्डेका कप का आयोजन करता रहा है। चौबे ने कहा,''मलेशियाई फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष दातो हाजी हमीदीन बिन हाजी मोहम्मद अमीन ने भी मुझसे कहा है कि टूर्नामेंट को फिर से शुरू करने पर काम हो रहा है। ऐसे में उम्मीद है कि इसे अगले साल से शुरू कर दिया जाएगा। ऐसे में इसमें भारतीय टीम को सबसे पहले बुलाया जाएगा।

अक्षर का बल्लेबाजी क्रम तय नहीं

सिडनी । टीम इंडिया में ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की जगह शामिल किये गये अक्षर पटेल का कहना है कि उनका बल्लेबाजी क्रम तय नहीं है और प्रबंधन जरुरत के अनुसार उन्हें किसी भी नंबर पर भेज देता है। प्रबंधन ने उनसे कहा कि वह किसी भी क्रम पर खेलने के लिए तैयार रहें। अक्षर को पाकिस्तान के खिलाफ पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा गया था पर वह रन नहीं बना पाये। अक्षर ने कहा, 'पाकिस्तान के पास बाएं हाथ के स्पिनर नवाज और लेग स्पिनर शादाब खान थे। इसलिए बाएं हाथ के बल्लेबाज को भेजना अहम था और इसी लिए मुझे बल्लेबाजी के लिए भेजा गया था।' उन्होंने कहा कि हमारे शीर्ष-6 बल्लेबाज दाएं हाथ से खेलते हैं और इसलिए टीम प्रबंधन ने मुझसे कहा है कि अगर जरूरत पड़ी, तो बीच के ओवरों में मुझे ऊपर खेलने के लिए भेजा जा सकता है और मुझे इसके लिए तैयार रहना चाहिए। मुझे यह भूमिका बता दी गई है पाकिस्तान के खिलाफ अक्षर को केवल एक ओवर करने को मिला था, जिसमें 3 छक्के लगे थे हालांकि नीदरलैंड के खिलाफ हालांकि उन्होंने अच्छी गेंदबाजी की और 4 ओवर में 18 रन देकर 2 विकेट लिए। अक्षर ने कहा कि पिच थोड़ा शुष्क थी और गेंद रूककर आ रही थी. गेंद पर ग्रिप नहीं बन पा रही थी और इसलिए मुझसे पटक कर गेंदबाजी करने के लिए कहा गया था। यही हमारी रणनीति थी।

विजय श्री के साथ भारत ने एफआईएच हॉकी प्रो लीग में किया शंखनाद, न्यूजीलैंड पर दर्ज की 4-3 की जीत

भुवनेश्वर । भारत ने अपने राष्ट्रीय खेल हॉकी में शानदार प्रदर्शन करते हुए एफआईएच लीग में अंतिम क्वार्टर में मंदीप सिंह के दो मैदानी गोल की मदद से भारत ने यहां अपना अभियान न्यूजीलैंड पर 4-3 की जीत दर्ज कर शुरू किया। मंदीप ने 51वें और 56वें मिनट में गोल दागे। भारतीय टीम तीसरे क्वार्टर के अंत में 2-3 से पीछे चल रही थी। विश्व रैंकिंग में पांचवें स्थान पर काबिज टीम के लिये मंदीप मोर ने 13वें और कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 41वें मिनट में गोल किये।

दुनिया की नौंवे नंबर की टीम न्यूजीलैंड के लिये सैम लेन ने 22वें और 35वें मिनट में दो गोल दागे जबकि एक अन्य गोल जेक स्मिथ ने 34वें मिनट में किया। न्यूजीलैंड ने शुरू में अधिक आक्रामक रूख अपनाया। भारतीय गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने शुरू में ही एक लंबी रेंज के शॉट का बचाव किया। भारत को हालांकि मैच का पेनल्टी कॉर्नर मिल गया लेकिन शमशेर सिंह इसका फायदा नहीं उठा सके। नीलकांत शर्मा ने मोर को सटीक पास दिया जिन्होंने आराम से गोल किया और न्यूजीलैंड के गोलकीपर डॉमिनिक डिक्सन कुछ नहीं कर सके। भारत ने दबदबा बनाया हुआ था और दूसरे क्वार्टर में इस बढ़त को दोगुना करने के लिये प्रयासरत था। लेकिन न्यूजीलैंड ने पहले ही पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागकर बराबरी हासिल कर ली।

सैम लेन के शॉट को सुरेंदर कुमार ने रोक दिया। मेहमान टीम ने रिव्यू लिया, जिसमें दिखा कि गेंद सुरेंदर के पैर से छूकर गई और फिर लेन ने कॉर्नर से गोल कर दिया। इसके तुरंत बाद न्यूजीलैंड को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन इस बार कृष्ण बहादुर पाठक ने इसे रोक दिया और सिमोन चाइल्ड का प्रयास विफल रहा। पहले हाफ के बाद स्कोर 1-1 से बराबर था। तीसरे क्वार्टर में मुकाबला रोमांचक रहा जिसमें न्यूजीलैंड ने 34वें और 35वें मिनट में दो गोल कर दिये। भारत ने कप्तान हरमनप्रीत की मदद से 41वें मिनट में पेनल्टी पर किये गोल किया जिससे स्कोर 2-3 हो गया।

तीसरे क्वार्टर के अंत में टीम 10 खिलाड़ियों के साथ थी क्योंकि सुमित को पीला कार्ड (खेल से 10 मिनट के लिये बाहर) दिखाया गया था। न्यूजीलैंड ने दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किये लेकिन गोल नहीं हुआ। अंतिम क्वार्टर में भारत सात मिनट तक 10 खिलाड़ियों के साथ ही खेला जिसके बाद मंदीप ने दो गोल कर टीम को जीत दिलायी। मोहम्मद रहील ने भारत के लिये पदार्पण किया। भारत अब रविवार को यहां स्पेन से खेलेगा।

टी20 विश्वकप में देखने मिल रह भारी उलट-फेर, आयरलैंड ने इंग्लैंड को दी शिकस्त

मोईन अली के नाम आया रिकॉर्ड, शीर्ष 10 में बनाई जगह

नई दिल्ली । क्रिकेट रोमांच टी20 विश्वकप स्पर्धा में 20वां मुकाबला 26 अक्टूबर को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में इंग्लैंड और आयरलैंड के बीच में खेला गया। इस मैच में एक बार फिर बड़ा उलटफेर देखने को मिला। आयरलैंड ने जोस बटलर एंड कंपनी को 5 रनों से शिकस्त देकर सभी को हैरान कर दिया है। दरअसल, इंग्लैंड की इस हार में बारिश का भी रोल देखने को मिला।

इंग्लैंड को भले ही इस मैच में हार का सामना करना पड़ा लेकिन टीम के स्टार ऑलराउंडर मोईन अली ने एक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। मोईन अली ने इस मुकाबले के बाद टी20 इंटरनेशनल में अपने 1000 रनों का आंकड़ा छू लिया है। ऐसा करने वाले वह इंग्लिश टीम के आठवें बल्लेबाज बन गए हैं। आयरलैंड के खिलाफ उन्होंने 12 गेंदो में 3 चौकों और 1 छक्के की मदद से 24 रन बनाए। एलेक्स हेल्स और मोईन अली को छोड़ इंग्लैंड का कोई भी बल्लेबाज 20 का आंकड़ा पार नहीं कर सका।

इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर और सलामी बल्लेबाज एलेक्स हेल्स इस मैच में फ्लॉप रहे। बटलर केवल दो गेंदे खेलकर पवेलियन वापस लौट गए जबकि हेल्स 7 रन बनाकर आउट हो गए। वहीं, डेविड मलान ने पारी को संभालने की कोशिश की लेकिन वह भी 35 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। वहीं, आयरलैंड की बात करें तो कप्तान एंड्रयू बलबर्नी ने 62 रनों की तूफानी पारी खेली और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

इस मैच में बारिश ने माहौल बिगाड़ दिया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी आयरलैंड की टीम ने पूरे 20 ओवर खेले और इंग्लिश टीम के सामने 158 रनों का लक्ष्य रख दिया था। लेकिन इंग्लैंड की बल्लेबाजी में बारिश ने जोस बटलर एंड कंपनी के लिए मुश्किल खड़ी कर दी।

व्यापार न्यूज

ऑटो रिक्शा और टैक्सी किराया बढ़ाया

नई दिल्ली । सीएनजी की बढ़ती कीमतों की वजह से दिल्ली सरकार ने ऑटो रिक्शा और टैक्सी के किराये में वृद्धि के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। संशोधित किराया के मुताबिक ऑटो-रिक्शा के लिए शुरुआती 1.5 किलोमीटर दूरी के लिए न्यूनतम किराया 25 रुपए से बढ़ाकर 30 रुपए कर दिया गया है। इस सीमा के बाद प्रत्येक किलोमीटर पर किराये को 9.50 रुपए से बढ़ाकर 11 रुपए कर दिया गया है। बिना एयर कंडीशन वाली टैक्सियों के लिए न्यूनतम किराये के बाद यात्रियों को अब प्रति किलोमीटर 17 रुपए देने होंगे। पहले यह शुल्क 14 रुपए प्रति किलोमीटर था। वहीं एसी टैक्सियों के लिए लोगों को न्यूनतम किराये के बाद 20 रुपए प्रति किलोमीटर के हिसाब से पैसे देने होंगे। पहले यह किराया 16 रुपए प्रति किलोमीटर था। ऑटो के लिए रात्रि शुल्क पहले भी 25 फीसदी था जिसे बरकरार रखा गया है। दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत को वाहन किराये में बढ़ोतरी के मुद्दे पर ऑटो-रिक्शा और टैक्सी संघों और यूनियनों से कई आवेदन मिले थे। इसके बाद किराये को बढ़ाने को मंजूरी दी गई है।

सेबी ने दो संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाया

नई दिल्ली । पूंजी बाजार नियामक सेबी ने कुछ संस्थाओं और व्यक्तियों को स्वीकृति के बगैर निवेश परामर्श सेवाएं देने के लिए प्रतिभूति बाजारों से दो साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कैपिटल निवेश रिसर्च, ब्राइट मनी सॉल्यूशंस, नरेश निमावत और अश्विन डोरिया को दो साल के लिए प्रतिभूति बाजार में शिरकत करने रोक लगा दिया है। यह कार्रवाई सेबी द्वारा पारित दिसंबर 2020 के एकपक्षीय अंतरिम आदेश के बाद आया है जिसमें संस्थाओं के खिलाफ और उन्हें निवेश सलाहकार के रूप में कार्य करने से रोकने के लिए निर्देशित किया गया था तथा अगले आदेश तक प्रतिभूति बाजारों से प्रतिबंधित किया गया था।सेबी ने अपनी पड़ताल में पाया कि कंपनियां निवेश सलाहकार के रूप में प्रमाण पत्र प्राप्त किए बिना अनधिकृत निवेश सलाहकार सेवाओं में लगी हुई थीं जो आईए (निवेश सलाहकार) नियमों का उल्लंघन करता है। नोटिस के अनुसार, कंपनियों द्वारा अप्रैल 2019 से दिसंबर 2020 के दौरान जुटाई गई राशि 95.30 लाख रुपये थी।एक अन्य आदेश में, सेबी ने सोभा लिमिटेड के शेयरों में अंदरूनी व्यापार मानदंडों के उल्लंघन के लिए एक व्यक्ति पर 10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार दो साल के निचले स्तर पर

मुंबई । देश के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार गिरावट देखी जा रही है और यह घटकर दो साल के निचले स्तर पर पहुंच गई है। विदेशी मुद्रा भंडार 21 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में 3.847 अरब डॉलर घटकर 524.52 अरब डॉलर रह गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की तरफ से जारी आंक?ों से यह जानकारी मिली। इससे पिछले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 4.50 अरब डॉलर घटकर 528.37 अरब डॉलर रह गया था। पिछले कई महीनों से विदेशी मुद्रा भंडार में कमी होती देखी जा रही है। एक साल पहले अक्टूबर 2021 में देश का विदेश मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। देश के मुद्रा भंडार में गिरावट का मुख्य कारण यह है कि रुपए की गिरावट को थामने के लिए केंद्रीय बैंक विदेशी मुद्रा भंडार से

मदद ले रहा है। अक्टूबर 2021 से अब तक रुपए में गिरावट की वजह से आरबीआई घरेलू करेंसी के मूल्य को गिरावट से बचाने के लिए 100 अरब डॉलर से ज्यादा लगा चुका है। रिजर्व बैंक की तरफ से जारी आंकड़ों के अनुसार, 21 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का महत्वपूर्ण घटक मानी जाने वाली, विदेशी मुद्रा आस्तियां 3.593 अरब डॉलर घटकर 465.075 अरब डॉलर रह गई। आंकड़ों के अनुसार देश का स्वर्ण भंडार मूल्य के संदर्भ में 24.7 करोड़ डॉलर घटकर 37,206 अरब डॉलर रह गया। केंद्रीय बैंक ने कहा कि विशेष आहरण अधिकार 70 लाख डॉलर बढ़कर 17.44 अरब डॉलर हो गया है। व?देशी मुद्रा भंडार की मदद से कोई भी देश जरूरत पर अपनी करेंसी में आई गिरावट को थामने के लिए उचित कदम उठा सकता है। आयात पर निर्भर रहने वाले देशों पर इसका सबसे ज्यादा असर पड़ता है।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक से पहले सोने में उतार-चढ़ाव जारी

मुंबई । घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत मुनाफावसूली के दौर से गुजर रही है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक से पहले सोने की कीमत में उतार-चढ़ाव जारी है। बीते सप्ताह मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने की दरें शुक्रवार को 507 रुपए प्रति 10 ग्राम गिर गईं और 50,230 के स्तर पर बंद हुईं। जबकि हाजिर सोने की कीमत 1.07 प्रतिशत गिरकर 1,644 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुई। कमोडिटी बाजार के जानकारों के मुताबिक तीसरी तिमाही के उम्मीद से बेहतर अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों के बाद डॉलर इंडेक्स में उछाल आने के बाद ऐसी अटकलें हैं कि यूएस फेड ब्याज दरों में बढ़ोतरी पर अपना रुख बदल सकता है। कमोडिटी बाजार के विशेषज्ञ ने कहा कि आज सोने की कीमतों के लिए मुख्य रूप से वैश्विक संकेत और यूएस फेड की बैठक के परिणाम अहम होंगे। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक के नतीजे आने से पहले पीली धातु की कीमतों में सीमित उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है।

एलआईसी निवेशकों को डिविडेंड और बोनस शेयर बांटने की योजना

नई दिल्ली । भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) अपने निवेशकों को डिविडेंड या बोनस शेयर जारी करने की योजना बना रहा है। सूत्रों के मुताबिक एलआईसी अपने निवेशकों को डिविडेंड या बोनस शेयर देने की घोषणा कर सकती है। इसके लिए निर्धारित फंड में पॉलिसीधारकों के फंड से लगभग 22 अरब डॉलर स्थानांतरित करने की योजना बनाई जा रही है। दरअसल एलआईसी अपने शेयर की कीमतों में सुधार के लिए यह कदम उठाने पर विचार कर रही है ताकि शेयर में निवेशकों का भरोसा कायम रहे। एलआईसी का शेयर इस साल मई में शेयर बाजार में लिस्टेड हुआ था। लिस्टिंग के बाद से अब तक शेयर में 35 फीसदी से अधिक की गिरावट आई है, जिससे निवेशकों 2.23 अरब रुपए का नुकसान हुआ है। एक अधिकारी के अनुसार एलआईसी निर्धारित फंड में पॉलिसीधारकों के फंड से लगभग 22 अरब डॉलर ट्रांसफर करने की योजना बना रही है। यह नॉन-पार्टिसिपेट वाले कुल फंड का छठवां हिस्सा हो सकता है। इस प्रक्रिया के पूरा होने के बाद भारतीय जीवन बीमा निगम की कुल संपत्ति लगभग 105 अरब रुपए के मौजूदा मूल्य से लगभग 18 गुना बढ़ जाएगी। हालांकि एलआईसी और वित्त मंत्रालय ने अभी आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है। भारतीय जीवन बीमा निगम इस साल 17 मई को शेयर बाजार में लिस्टेड हुई थी। लिस्टिंग के बाद से स्टॉक में लगातार गिरावट हावी रही। एलआईसी का शेयर आईपीओ के इश्यू प्राइस 949 रुपए के स्तर तक भी नहीं जा सका है। शुक्रवार को स्टॉक 592.50 रुपए पर बंद हुआ। एलआईसी के शेयर में 35 फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखी जा चुकी है। एलआईसी का आईपीओ देश का अब तक का सबसे बड़ा इश्यू था। इस कंपनी ने सरकार ने अपनी 3.5 फीसदी हिस्सेदारी बेचकर करीब 21,000 करोड़ रुपए जुटाए थे।

आटा मिलों के पास गेंहू की भारी किल्लत, सरकार से 40 लाख टन गेहूं जारी करने की मांग की

नई दिल्ली । मोदी सरकार की तमाम कोशिशों के बावजूद घरेलू बाजार में महंगाई पीछा नहीं छोड़ रही है। मोदी सरकार ने पहले गेहूं फिर चावल के निर्यात पर रोक भी लगाई लेकिन अब आटा मिलों का कहना है कि उनके पास गेहूं की भयंकर किल्लत हो गई है और जल्द ही सरकार ने मुहैया नहीं कराया, तब घरेलू बाजार में कीमतें थामना मुश्किल होगा और महंगाई बढ़ेगी। मिलों ने मांग की है कि सरकार ओपन मार्केट में गेहूं की बिक्री करे, ताकि इसकी कीमतों पर लगाम लग सके।

रोलर फ्लोर मिल्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने खाद्य मंत्रालय से शिकायत की है। साथ ही यह गुहार भी लगाई है कि सरकार नवंबर में अपने स्टॉक से गेहूं जारी कर खुले मार्केट में गेहूं की बिक्री करे। फेडरेशन ने कहा है कि सरकार के स्टॉक में जरूरत से ज्यादा गेहूं है और उस जल्द बाजार में 40 लाख टन गेहूं जारी करना चाहिए। बाजार में गेहूं की उपलब्धता से कीमतों में कमी आएगी और आटा के भाव बढ़ने से रोका जा सकेगा। फेडरेशन ने कहा है कि इस कदम से मुनाफाखोरों को भी जवाब दिया जा सकेगा, जो स्टॉक होने के बावजूद कालाबाजारी के इंतजार में बैठे हैं।

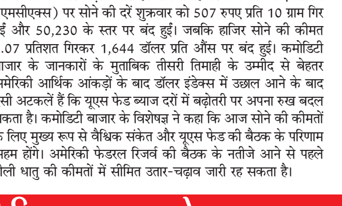

दरअसल, वित्तवर्ष 2021-22 के दौरान सरकार के गेहूं भंडारण में करीब 56 फीसदी कमी आई है। यह गिरावट उत्पादन घटने और निर्यात बढ़ने की वजह से दिख रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से ग्लोबल मार्केट में गेहूं की सप्लाई पर बुरा असर पड़ा, तब भारत ने बड़ी मात्रा में कई देशों को गेहूं सप्लाई किया था। इससे सरकार के भंडारण में कमी आ गई और गेहूं का भंडार 14 साल के निचले स्तर पर आ गया है।

फूड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया यानी एफसीआई के पास 1 अक्तूबर, 2022 को 2.27 करोड़ टन गेहूं का भंडार था, जबकि इस अवधि तक उस सिर्फ 2.05 करोड़ टन गेहूं के स्टॉक की जरूरत थी। यानी फिलहाल एफसीआई के पास गेहूं का अतिरिक्त भंडार है। चालू वित्तवर्ष में मौसम की मार की वजह से गेहूं का उत्पादन घटकर 10 करोड़ टन से भी कम रहने का अनुमान है। इस कारण कि इस साल सरकारी एजेंसियों ने सिर्फ 1.8 करोड़ टन गेहूं की खरीद की है, जो पिछले 15 साल में सबसे कम है। वित्तवर्ष 2021-22 में सरकार ने कुल 4.33 करोड़ टन गेहूं की खरीद की थी। इसकारण चालू वित्तवर्ष के लिए अभी तक ओपन मार्केट सेल का कोटा तय नहीं किया गया है।

कुछ जानकारों का कहना है कि अभी तक दूसरे देशों को गेहूं पहुंचा रहे भारत को आयात की नौबत न आ जाए। इस बारे में कई तर्क भी दिए जा रहे हैं। दरअसल, मई में सरकार ने निर्यात पॉलिसी को बदलते हुए गेहूं के निर्यात को प्रतिबंधित श्रेणी में डाल दिया था, जिसके बाद एक रिपोर्ट में दावा किया था कि सरकार बढ़ती कीमतों के बीच विदेशों से गेहूं खरीदने पर विचार कर रही है। इतना ही नहीं कुछ अधिकारियों ने यह भी कहा था कि गेहूं पर आयात शुल्क 40 फीसदी तक घटाया जा सकता है। इसके बाद सरकार ने आटा, मैदा और सूजी जैसे गेहूं के अन्य उत्पादों के निर्यात पर भी रोक लगा दी थी। अब आटा मिलों ने भी गेहूं की कमी की बात कही है।

जेएसडब्ल्यू एनर्जी का मुनाफा 37 प्रतिशत बढ़कर 466 करोड़

नई दिल्ली । ऊर्जा क्षेत्र की कंपनी जेएसडब्ल्यू एनर्जी का सितंबर तिमाही में मुनाफा 37 प्रतिशत बढ़क?र 466 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी ने कहा कि मुख्य रूप से आय बढ़ने से उसका मुनाफा बढ़ा है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2021-22 की जुलाई-सितंबर तिमाही में 339 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया था। जेएसडब्ल्यू एनर्जी की तिमाही के दौरान कुल आय सालाना आधार पर 16 प्रतिशत बढ़कर 2,596 करोड़ रुपए हो गई। एक साल पहले की इसी अवधि में यह 2,237 करोड़ रुपए थी। आलोच्य अवधि के दौरान तिमाही कंपनी की वित्तीय लागत सात प्रतिशत सालाना बढ़कर 204 करोड़ रुपए हो गई। कंपनी के निदेशक मंडल ने अपनी बैठक में अन्य बातों के साथ-साथ निजी नियोजन के जरिये गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) जारी कर 2,500 करोड़ रुपए तक की दीर्घावधि पूंजी जुटाने को मंजूरी दी। निदेशक मंडल ने जेएसडब्ल्यू एनर्जी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक सज्जन जिंदल के बेटे पार्थ जिंदल की अतिरिक्त, गैर-कार्यकारी, गैर-स्वतंत्र निदेशक के रूप में 28 अक्टूबर 2022 की तारीख से नियुक्ति को भी मंजूरी दी।

जरूरी हैं मॉनसून में बच्चों की इम्यूनिटी को किया जाए बूस्ट, ये आहार रहेंगे बेस्ट

मॉनसून के दिनों की शुरुआत हो चुकी हैं और बरसात ने वातावरण में ठंडक लाने का काम किया हैं। लेकिन इस सुहाने मौसम के साथ ही कई तरह की बीमारियों का भी आगमन होता हैं जिनसे बच्चो को सुरक्षित रख पाना एक बड़ी चुनौती होती हैं। इन दिनों में सर्दी-जुकाम, खांसी और बुखार की समस्या बढ़ने लगती हैं और बच्चों की इम्युनिटी कम होने की वजह से बच्चे जल्दी से इसकी चपेट में आ जाते हैं। ऐसे में जरूरी हैं कि बच्चों की इम्युनिटी को मजबूत बनाया जाए और बीमारियों से संरक्षण किया जाए। आज इस कड़ी में हम आपको कुछ ऐसे आहार की जानकारी देने जा रहे हैं जिनका सेवन बच्चों के इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने का काम करेगा। आइये जानते हैं इनके बारे में...

आंवला

जुकाम और फ्लू के इलाज या इम्यूनिटी बढ़ाने के काम आता है आंवला। कई सालों से दवा के रूप में आंवले का सेवन किया जाता रहा है। आंवले में भरपूर मात्रा में विटामिन सी होता है जो शरीर में कई इंफेक्शन और बीमारियों से लड़ने में मदद करने वाली सफेद रक्त कोशिकाओं के निर्माण को बढ़ावा देता है। इसके अलावा आंवले में आयरन, कैल्शियम और कई अन्य तरह के खनिज पदार्थ मौजूद होते हैं। आप बच्चे को आंवले का जूस भी दे सकते हैं। 100 ग्राम आंवले में 600 मिलीग्राम विटामिन सी होता है।

हरी पत्तेदार सब्जियां

पत्तागोभी, पालक, ब्रोकली और केल जैसी हरी पत्तेदार सब्जियों में विटामिन ए, सी, के, कैल्शियम, आयरन, पोटैशियम और मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इनके सेवन से संक्रमण से लड़ने और इम्यूनिटी बढ़ाने में मदद मिलती है। बच्चों के आहार में इनको जरूर शामिल करना चाहिए।

खट्टे फल

जैसा कि खट्टे फल यानि सिट्रस फरूट्स विटामिन सी का भंडार होते हैं और विटामिन सी इम्यूनिटी बढ़ाने वाला तत्व माना जाता है। खासकर, गर्मियों में संतरा और नींबू जैसे खट्टे फलों का सेवन करने से शरीर में पानी की कमी होने का रिस्क भी कम होता है। गर्मियों में बच्चों को संतरा, नींबू, चकोतरा और कीवी जैसे विटामिन सी रिच फल खिलाएं। इसी तरह नींबू की शिकंजी, संतरे का जूस, लेमनेड जैसे ड्रिंक्स भी पिलाएं।

दही

हेल्दी फूड होने के साथ-साथ दही एक हेल्दी प्रोबायोटिक भी है। यह गट की हेल्थ बेहतर रखता है जिससे भोजन से प्राप्त पोषण का भी फायदा शरीर को मिल सकता है। ये डाइजेशन सिस्टम के लिए भी अच्छा होता है। आप बच्चों को खाने के साथ दही देंगे, तो उनकी इम्यूनिटी अच्छी रहेगी। वहीं, इसमें विटामिन डी की भी मात्रा काफी अधिक होती है जो हड्डियों को मजबूत बनाने और शरीर की रोग-प्रतिरोधक शक्ति बढ़ानेवाला तत्व है। गर्मियों में बच्चों को नाश्ते और लंच में दही खिला सकते हैं। इसके अलावा उन्हें दही से बनी छाछ, श्रीखंड और लस्सी पीने के लिए भी दें।

लहसुन

खाने का स्वाद बढ़ाने वाले लहसुन में एलिसिन नाम तत्व होता है जिसमें एंटीवायरल, एंटीफंगल और एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं। आज भी ग्रामीण इलाकों में लोग लहसुन को भूनकर खाते हैं, ताकि वे सर्दी या जुकाम से बचे रहें। इसे इम्यूनिटी बूस्ट करने वाला सुपरफूड भी माना जाता है। यह सफेद रक्त कोशिकाओं की रोग से लड़ने की प्रतिक्रिया को बढ़ाकर आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देता है।

संतरा

संतरा इम्यूनिटी बढ़ाने का सबसे आसान तरीका है। संतरे के जूस से इम्यून सिस्टम को काफी मदद मिल सकती है क्योंकि इसमें कई तरह के विटामिन और पोषक तत्व मौजूद होते हैं। विटामिन सी कोशिकाओं को सुरक्षित रखकर और इम्यून कोशिकाओं के कार्य और उत्पादन को बढ़ावा देकर इम्यून कोशिकाओं को मजबूती प्रदान करता है। चूंकि, सतरे में विटामिन सी ज्यादा होता है इसलिए इससे इम्यून सिस्टम मजबूत बनता है। एक 100 ग्राम संतरे में 42172 मिलीग्राम विटामिन सी होता है।

हल्दी

औषधीय गुणों से भरपूर हल्दी को लंबे समय से देसी इलाज के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। एंटीबैक्टीरियल, एंटीसेप्टिक व अन्य गुणों से युक्त हल्दी का सेवन करने की सलाह आयुर्वेद में भी दी गई है। रोजाना रात में सोने से पहले बच्चे को हल्दी वाला दूध जरूर पिलाएं। हल्दी इंफेक्शन से लड़ने का काम करती है और इसमें एंटी-इंफ्लामेट्री गुण होते हैं जो जुकाम और फ्लू से लड़ते हैं।

ड्राई फरूट्स और सीड्स

आपको बता दें कि ड्राई फरूट्स में जिंक, आयरन, विटामिन- ई, ओमेगा 3 फैटी एसिड्स आदि भरपूर मात्रा में होते हैं, जो किसी भी तरह के इंफेक्शन को बढ़ने से रोकते हैं।

बच्चों में भी बढ़ रहा है तनाव

आजकल स्कूल की पढ़ाई के साथ ही जारी प्रतिस्पर्धा का प्रभाव बच्चों पर भी पड़ा है और वे तनावग्रस्त होते जा रहे हैं। एक नये अध्ययन के अनुसार अगर आपका बच्चा स्कूल ना जाने के बहाने बनाता है और सिर्फ घर पर बैठना चाहता है, तो ये संभव है कि आपका बच्चा तनाव से परेशान हो।

वहीं अगर आपके बच्चे की स्कूल में उपस्थिति बहुत कम है तो इसका कारण तनाव भी हो सकता है। इससे आप जान सकते हैं कि किस प्रकार से तनाव, बच्चों की स्कूल में उपस्थिति से जुड़ा हुआ है।

इन कारणों से स्कूल नहीं जाना चाहते बच्चे। बीमारी के चलते छुट्टी, बिना किसी कारण के छुट्टी, स्कूल जाने से मना करना। अब शोधकर्ताओं को पता चला कि बिना किसी कारण के जो छुट्टी ली जाती है, उसमें सबसे बड़ा कारण तनाव होता है।

तनाव बच्चों की पढ़ाई के साथ उनकी सामाजिक और आर्थिक विकास में भी बाधा बन सकता है। अध्ययनकर्तओं के अनुसार हैं %हमे शुरुआती चरण में ही इस समस्या का पता चल गया है, अब हमारे को जल्द से जल्द कुछ समाधान निकालना चाहिए जिससे इन मासूम बच्चों की जिंदगी बेहतर हो सके।

बच्चों में इन लक्षण को समझना कई बार मुश्किल हो सकता है। इसलिए कई बार बच्चे शिकायत कर सकते हैं कि उनको पेट या सर में दर्द है। ऐसी परिस्थिति में स्कूल के स्टाफ को इन लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए क्योंकि ये संभव है कि इन लक्षणों का कारण तनाव हो.

हमे ये भी समझने की आवश्यकता है कि मामूली तनाव कोई बीमारी नहीं होती। थोड़ा तनाव तो किसी को भी हो सकता है लेकिन अगर ये तनाव आपके बच्चे की जिंदगी पर नकारात्मक असर डाल रहा है और उसकी काम करने की क्षमता प्रभावित हो रही है, तब ये चिंताजनक है।

तनाव का इलाज संभव है और इस पर ठीक समय पर काबू भी किया जा सकता है लेकिन तनाव को नकार देना इसका समाधान नहीं है, इससे दिक्कतें और बढ़ सकती हैं।

वैसे कुछ संस्थाए इस बात पर भी जोर दे रही हैं कि अभी इस मुद्दे पर और अध्यन की आवश्यकता है। अभी ये भी देखना जरूरी है कि कही ऐसा तो नहीं कि स्कूल में कम उपस्थिति के चलते तनाव बच्चों को हो रहा हो।

बच्चों को मौसमी बीमारियों से बचायें

बारिश का मौसम जाते-जाते भी कई बीमारियों को बढ़ा देता है। अगस्त का अंत होते ही मौसम में बदलाव शुरु हो जाते हैं। इस मौसम में कभी बारिश और कभी तेज धूप के कारण तापमान बदलता रहता जो बच्चों के लिए बेहद नुकसानदेह होता है। इससे उन्हें खांसी, जुखाम और बुखार का खतरा बढ़ जाता है। मौसम में बदलाव के कारण संक्रमण भी तेजी से होता है।

इस से जीवाणुओं और विषाणुओं को पनपने का भरपूर मौका मिलता है। मक्खीमच्छर इसी मौसम में सब से ज्यादा पनपते हैं।इस मौसम में पाचनतंत्र भी धीमा हो जाता है, जिस से शरीर की रोग प्रतिरोधी ताकत भी कमजोर हो जाती है। शरीर की रोगाणुओं और विषाणुओं से लड़ने की ताकत कम हो जाती है और संक्रामक रोगों के होने का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए जरूरी है कि इस मौसम में अपने स्वास्थ्य पर तो ध्यान दे हीं, परिवार के सदस्यों को भी रोगों से बचायें।

बारिश के बाद गंदा पानी संक्रामक रोगों के फैलने का बहुत बड़ा कारण है। जगहजगह गंदे पानी के जमाव की वजह से कीटपतंगों व मक्खीमच्छरों के पनपने की आशंका होती है। मच्छरों के

काटने से मलेरिया तथा डेंगू फैलता है। गंदे पानी से हैजा, टायफाइड, डायरिया, हैपेटाइटिस जैसी बीमारियों के होने की आशंका बढ़ जाती है। मौसम के तापमान में अचानक गिरावट आ जाने तथा सर्द हवाओं की वजह से खांसीजुकाम, निमोनिया, टौंसिलाइटिस, त्वचा संबंधी रोग, आंखों का रोग जैसे कंजंक्टिवाइटिस के होने की भी आशंका बनी रहती है।

समय पर कराएं इलाज

मच्छरों से मलेरिया, डेंगू जैसी जानलेवा बीमारियां ज्यादा होती हैं। इन के प्रति थोड़ी सी भी लापरवाही से परिणाम घातक हो सकता है। डेंगू काफी खतरनाक रोग होता है। यह बड़ेबूढ़ों के साथ बच्चों को भी संक्रमित करता है, इसलिए इस की थोड़ी सी भी शंका हो यानी मरीज को तेज बुखार, उलटियां, कमजोरी, सिरदर्द होने लगे तो तुरंत इलाज कराएं। यदि इस मौसम में बच्चों को सर्दी, खांसी या बुखार होने लगे, तो तुरंत अस्पताल ले जाना चाहिए। बहुत छोटे बच्चों को मौसम बदलने की वजह से खासकर श्वसनतंत्र की बीमारियां, जैसे निमोनिया होने की प्रबल संभावना होती है। इस का भी इलाज समय से कराना जरूरी होता है।

बेहतर है बचाव

कहते हैं इलाज से बेहतर है बचाव। इसलिए इन दिनों पर्याप्त सावधानी बरती जाये तो बीमारियों से बचा जा सकता है। खाने में नमक का प्रयोग कम से कम करें, क्योंकि इस से गैस तो बनती ही है, शरीर में पानी का जमाव भी होता है। अत्यधिक तले भोज्यपदार्थों से परहेज करें, क्योंकि इस मौसम में पाचन क्षमता कमजोर होती है। जिन में पानी की मात्रा ज्यादा होती है, जैसे करी आदि, को न लें।

खुशी और निराशा की अवस्था में ज्यादा जंक फूड खाते हैं बच्चे

आजकल बच्चों को फास्ट और जंक फूड का शौक बढ़ता जा रहा है। इसका एक कारण तो यह है कि यह आसानी से उपलब्ध है और जल्दी बन जाता है। दूसरे इसका स्वाद जिसे बच्चे बेहद पसंद करने लगे हैं। वहीं अब एक नये अध्ययन में सामने आया है कि बच्चा खुशी और दुख की अवस्था में खाने के प्रति अगल-अलग तरीके से व्यवहार करता है। दुख की अवस्था में ना केवल जंक फूड की तरफ अधिक आकर्षित होता है बल्कि सामान्य से ज्यादा खाता भी है। दुख और अवसाद की अवस्था में लोग ज्यादा खाने लगते हैं, इसे %इमोशनल ईटिंग% कहा जाता है। इस दौरान अनहेल्दी फूड के सेवन का ज्यादा मन करता है। नए शोध में खुलासा हुआ है कि इमोशनल ईटिंग से ना केवल बड़े बल्कि बच्चे भी प्रभावित होते हैं।

स्वभाव पर चल रही एक रिसर्च ने इस बात की पुष्टि की है कि बच्चा खुशी और दुख की अवस्था में खाने के प्रति अगल-अलग तरीके से व्यवहार करता है। दुख की अवस्था में ना केवल जंक फूड की तरफ अधिक आकर्षित होता है बल्कि सामान्य से ज्यादा खाता भी है।

पहले के शोधों में सामने आया था कि जो लोग अवसाद की अवस्था से गुजर रहे हैं, वे अनहेल्दी फूड खाते हैं जिससे मोटापे का शिकार हो जाते हैं। ज्यादा खाने की वजह से उनके अवसाद में बढ़ोत्तरी ही होती है और स्वास्थ्य भी खराब होता है।

किशोर होते बच्चों का इस प्रकार रखें ध्यान

किशोर होते बच्चों का ध्यान रखते समय आपको विशेष सावधानियां बरतनी चाहिये। इसका कारण है कि अब आपका बच्चा बड़ा हो रहा है और अपने तरीके से रहना चाह रहा है। ऐसे में उसे सही और गलत की पहचाना कराने की जिम्मेदारी आपके पास है पर कई बार देखा गया है कि बचपन में समझदार और सुलझा हुआ हमारा बच्चा किशोर उम्र का होते-होते इतना अजीबो-गरीब व्यवहार करने लगता है। आप कई बार सबकुछ संभालने की कोशिश करते हैं पर हालात आपके मुताबिक सुधर नहीं पाते। किशोर होते की उम्र में आपका बच्चा खुद को आजाद समझने लगता है। इस उम्र में बच्चे अपने खुद के निर्णय लेना चाहते हैं।

आपको अगर अपने बच्चे के साथ बेहतर रिश्ता बनाना है तो आपको अपने बच्चे को ठीक से समझना होगा। उनकी भावनाओं को आपको ध्यान में रखना होगा। आपका बच्चा इस उम्र में खुद पर निर्भर होना चाहता है। ऐसे में आपको भी अपने बच्चे को थोड़ा समय देना चाहिए।

बच्चों में अचानक आए बदलाव पर ऐसे नजर रखें

- इस उम्र में अक्सर ऐसा होता है कि बच्चे आपकी कोई भी सलाह नहीं लेना चाहते। ये बुरा जरूर लगता है पर इस वक्त आपको बड़ी समझदारी दिखानी होगी। अपने बच्चे को वक्त दें जब तक वो सही रास्ते पर है। अगर आपको लगे कि आपका बच्चा किसी गलत दिशा में जा रहा है तो तुरंत उसे सामने बिठाकर बात करिए।
- इस उम्र में बच्चे अपने खाने-पीने, कपड़े, दोस्तों से लेकर सोने का समय तक स्वयं तय करना चाहते है। ऐसे समय में अपने बच्चे को कुछ बातों के निर्णय खुद लेने दे। कुछ बातों पर उन्हें प्यार से समझाएं कि फैसले लेने में आपका साथ कितना जरूरी है।
- आपका बच्चा गलत आदतों का शिकार भी हो सकता है। उसे शराब, सिगरेट जैसी गलत आदत की लत भी लग सकती है। तो ऐसे में जरूरी है कि आप उन्हें आजादी तो दे पर मर्यादा के अंदर। बाहर घूमने, देर रात घर आने जैसी बातों पर एक कड़ा नियम जरूर बनाएं। उसे अपनी जिंदगी में आजादी तो दे पर अपनी पूरी देख-रेख में।
- इस उम्र में अक्सर आपका और आपके बच्चे का विचार एक जैसा नहीं होता। तो ऐसे में जरूरी है कि आप उन्हें किसी बात के लिए गलत तरीके से जबरदस्ती न करें।ध्यान से उनकी बात सुनें और उन्हें दोनों पहलुओं पर सोचने को कहें। उन्हें समझाने की कोशिश करें कि आप क्यों सही है और वो क्यों गलत। यह बात ध्यान रखें कि वे अब छोटे बच्चे नहीं है जिन पर आप अपनी मर्जी थोप सकें। उन्हें केवल तार्किक और भावनात्मक लगाव के साथ ही आप अपनी बातें समझा सकते हैं।
- मां-बाप बच्चे के सबसे पहले टीचर होते हैं. अगर आपका बच्चा गलत भी है तो भी आप उसे गुस्से में आकर नजरअंदाज न करें। उन पर अपनी नजर हमेशा बनाएं रखे।

सूर्य उपासना का पर्व छठ पूजा!

डॉ. भरत मिश्र प्राची

सूर्य उपासना से जुड़ा पर्व छठ पूजा का शुभारम्भ नहाये खाये से देश से लेकर विदेश तक व्रती परिवार में शुरू हो गया है जो इस वर्ष 30 अक्टूबर की संध्याकालीन पूजन के साथ 31 अक्टूबर को प्रातःकालीन पूजन के साथ समाप्त हो जायेगा। इस पर्व की महिमा दिन पर दिन बढ़ती ही जा रही है। कोरोना काल में जहां हर पर्व मनाना बंद हो गया थ उस काल में यह पर्व अपने सीमित संसाधन से व्रती परिवार ने श्रद्धा पूर्वक मनाया। इस पर्व में पवित्रता का ध्यान सबसे पहले रखा जाता है। सूर्य उपासना का यह पर्व अपने आप में अनूठा पर्व है जहां डूबते सूर्य की भी उपासना होती है। उगते सूर्य की उपासना तो सभी करते है। यह पर्व परिवार की सुख शांति, समृद्धि, औलाद सहित हर तरह की मनोकामना पूर्ण होने की आस्था से जुड़ा हुआ है। इस पर्व की परम्परा प्राचीन काल से ही चली आ रही है जहां इस व्रत को प्राचीन काल से ही नाग, किन्नर, मानव में करने के प्रमाण मिलते है। संकट काल में द्वापर युग में दौपदी द्वारा इस व्रत को करने एवं पांडवों को अपना राज्य मिलने की भी बात प्रमुख रही है। यह व्रत विहार , झारखंड के हर परिवार में श्रद्धा के साथ प्रति वर्ष किया जाता है। इस प्रांत के निवासी देश, विदेश जहां भी रहते है, श्रद्धा के साथ वही इस व्रत को करते है। इसी करण यह व्रत आज अंतर्राष्ट्रीय रुप ले चुका है। देश का हर कोना कोना आज इस व्रत की गूंज से गुंजयमान तो हो ही रहा है, मारिशश, फीजी, सूरीनामी आदि देश में भी इस छठ पूजा की धूम मची हुई है। इस पर्व को करने वाले की हर मनोकामना पूरी होती है। यह पर्व नदी, तालाब या जलाशय के आस पास किया जाता है। षष्ठी तिथि को अस्थाचल होते हुए सूर्य को प्रथम अर्घ्य इस कामना एवं विश्वास के साथ कि उदय के समय हमारी झोली खुशियों से सूर्य देव की असीम कृपा से सदा के लिये भर जायेगी , दूसरे दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत की समाप्ति होती है। इस अवसर पर घाट का दृश्य अति मनोरम होता है। ईख से अच्छादित वातावरण हर किसी को अपनी ओर खींच लेता है। इस पर्व में प्रसाद के रूप में हर प्रकार के मौसमी फल केला, सेव, संतरा, निंबू, मौसमी, अनार, अन्नानाश, नारियल, मूली, अदरख , गन्ना, कद्दू,, जमीनकंद आदि के साथ आटा एवं गुड़ से बना ठेकुआ होता है। इस सारे प्रसाद को एक टोकरी में पीले वस्त्र में बांधकर कंधे पर ईख रखते हुये व्रती परिवार घाट तक पहुचता है जहां पूजा बेदी के सामने प्रसाद की टोकरी रखकर सूर्य की अराधना की जाती है। जल में खड़े होकर संध्याकाल में डूबते हुये सूर्य को पूजा थाली के साथ गंगाजल से अर्घ्य दिया जाता एवं दूसरे दिन प्रातःकाल उगते सूर्य को गंगाजल एवं गाय के दूध के साथ अर्घ्य देते हुये पूजा की समाप्ति हो जाती। फिर प्रसाद वितरण किया जाता। यह दृश्य भी अपने आप में मन हरने वाला होता है जहां घाट पर अपनी झोली फैलाकर श्रद्धा के साथ प्रसाद मांगने की कत्तार लगी रहती। पूजा घट का भी दृश्य मनभावन होता है। छठ का गीत एवं घाट का मनभावन दृश्य इस पर्व की गरिमा में चार चांद लगा देता है। जिससे यह पर्व आज क्षेत्रीय न होकर अंतर्राष्ट्रीय हो चला है।

पराली और पटाख़ा ही प्रदूषण के कारक या बेतहाशा यातायात?

निर्मल रानी

भारत का सबसे प्रमुख पर्व दीपावली एक बार फिर जहाँ भारतीय अर्थ व्यवस्था तथा व्यवसाय को गति प्रदान कर गया वहीं इस बार भी इस पावन पर्व के दौरान पटाख़ा और इससे उत्पन्न होने वाले प्रदूषण की चर्चा ज़ोरों पर रही। देश की सर्वोच्च अदालत से लेकर विभिन्न राज्य सरकारों व प्रदूषण नियंत्रण संबंधी संस्थानों तक ने इस विषय पर अपने अपने नज़रिये से संज्ञान लिया। दिल्ली के प्रदूषण पर नज़र रखने व इसके नियंत्रण की ज़िम्मेदारी संभालने वाली सबसे बड़ी संस्था दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति ने इसी वर्ष गत सितंबर माह के मध्य में ही दीपावली के मद्दे नज़र एक लिखित आदेश जारी किया। इस आदेश में साफ़ कहा गया था कि ÷एक जनवरी, 2023 तक सभी प्रकार के पटाखों के निर्माण, भंडारण, बिक्री,आनलाइन शॉपिंग तथा सभी प्रकार के पटाखे फोड़ने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। दिल्ली सरकार के आदेशानुसार दिल्ली में आतिशबाज़ी की बिक्री और भंडारण पर पूरी तरह से रोक लगाई गई है और आदेश का उल्लंघन करने वालों पर 5 हज़ार रुपये जुर्माना और 3 साल की जेल की सज़ा का भी प्रावधान किया गया था। दिल्ली सरकार ने गत वर्ष भी 1 जनवरी 2022 तक आतिशबाज़ी पर इसी तरह के प्रतिबंध की घोषणा की थी। इसके साथ ही आतिशबाज़ी की बिक्री और उपयोग के विरुद्ध एक कठोर अभियान भी चलाया गया था। उत्तर भारत के विभिन्न इलाक़ों विशेषकर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में अक्टूबर माह से ही वायु प्रदूषण का लगातार बढ़ना शुरू हो जाता है और यह प्रदूषण फ़रवरी व मार्च तक रहता है।

सरकार के इस आदेश के विरुद्ध जब दिल्ली के कुछ बड़े आतिशबाज़ी व्यव्सायियों ने अपने व्यवसाय व आजीविका का वास्ता देते हुये सर्वोच्च न्यायलय का दरवाज़ा खटखटाया तो सर्वोच्च न्यायलय ने भी आतिशबाज़ी पर प्रतिबंध के विरुद्ध दायर याचिका पर तुरंत (दीपावली पूर्व) सुनवाई करने से इस टिप्पणी के साथ इनकार कर दिया कि %लोगों को साफ़ हवा में सांस लेने दीजिए% मिठाई पर खर्च करिए। इससे पूर्व दिल्ली हाईकोर्ट भी दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा राजधानी में आतिशबाज़ी की बिक्री और रखने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने के निर्णय के विरुद्ध दायर याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर चुका है। हाईकोर्ट ने कहा कि ये मामला सुप्रीम कोर्ट के विचाराधीन है और वो सुनवाई नहीं कर सकते हैं। गोया अदालतें भी नहीं चाहतीं कि देश में दीपावली का त्यौहार प्रदूषण फैलाने का कारण बने। परंतु अनेक अदालती व शासनिक प्रतिबंधों के बावजूद दिल्ली सहित पूरे देश में दीपावली पर आतिशबाज़ियाँ जलाई गयीं। हां सरकारी आदेश का असर राजधानी दिल्ली में इतना ज़रूर हुआ कि यहाँ इस बार पिछले वर्षों की तुलना में लगभग 30 प्रतिशत कम आतिशबाज़ी जलाई गयी।

दीपावली में आतिशबाज़ी पर प्रतिबंध की कोशिशों व इसपर दिये जाने वाले %प्रवचनों% के अतिरिक्त अदालत,सरकार व प्रशासन के निशाने पर किसानों द्वारा फ़सल की कटाई के बाद अपने अपने खेतों में जलाई जाने वाली पराली रहा करती है। आरोप लगता है कि दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण का कारण जहां दीपावली में जलने वाली आतिशबाज़ी होती है वहीँ इससे भी बड़ा कारण खासकर पंजाब व हरियाणा में पराली फूंकने को बताया जाता है। परन्तु इस विषय पर शोध कर्ताओं व अनेक विशेषज्ञों का मानना है कि पराली या आतिशबाज़ी के चलते वर्ष भर में मात्र चंद दिनों

तक फैलने वाले प्रदूषण से सैकड़ों गुना अधिक प्रदूषण प्रतिदिन लाखों की संख्या में बढ़ते हुये वाहन, औद्योगिक इकाइयों से निरंतर उगलने वाला ज़हरीला धुंआ,दिल्ली में प्रतिदिन उड़ने वाली हज़ारों राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों से निकलने वाला अति ज़हरीला धुंआ तथा निर्माण कार्यों के चलते उड़ने वाली धूल-मिट्टी-ग़ुबार आदि प्रदूषण के बड़े कारक हैं। परन्तु सरकार या प्रशासन इन विषयों पर चर्चा करने के बजाये बार दीपावली के प्रदूषण व किसानों की पराली पर ही उंगली उठाता है। जबकि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली भी अपनी एक रिपोर्ट में स्पष्ट कर चुका है कि दिल्ली में प्रत्येक वर्ष होने वाली स्मॉग का कारण दीपावली की आतिशबाज़ियाँ नहीं हैं।

कभी दिल्ली, चंडीगढ़ जैसे किसी भी महानगर के यातायात पर ग़ौर से नज़र डालिये। आप देखेंगे कि इनमें लगभग 80 प्रतिशत या शायद इससे भी अधिक कारें ऐसे होती हैं जिनमें कार मालिक अकेले ही सवार रहते हैं। ऐसी लाखों करें केवल एक एक व्यक्ति को ढोने के लिये रोज़ाना सुबह शाम न केवल पूरे वर्ष प्रदूषण फैलाती हैं बल्कि इनकी बड़ी संख्या के चलते ट्रैफ़िक जाम की स्थिति भी अक्सर बनी रहती है। और जाम की स्थिति में प्रदूषण और भी बढ़ जाता है। परन्तु इस पर कभी चर्चा शायद इसीलिये नहीं होती कि जहां संभ्रांत व अमीर तबक़ा कारों का इस्तेमाल अधिक करता है वहीं कार कंपनियों द्वारा कारों की बिक्री किये जाने से भी यह विषय जुड़ा हुआ है। विमान भी कार्पोरेट्स द्वारा संचालित होने के साथ साथ बड़े लोगों की सवारी है लिहाज़ा सरकार की नज़रों में यह भी प्रदूषण नहीं शायद %ऑक्सीजन % ही छोड़ता हो। और यदि यह मान भी लिया जाये कि आतिशबाज़ियाँ ही प्रदूषण फैलाने की सबसे बड़ी ज़िम्मेदार हैं तो केवल दीपावली की ही आतिशबाज़ी क्यों ? नव वर्ष ,शादी ब्याह,दशहरा जैसे अनेक अवसरों व त्योहारों पर जलने वाली आतिशबाज़ियों पर प्रतिबंध क्यों नहीं? और इससे भी बड़ी बात यह कि यदि पर्यावरण व स्वच्छ वातावरण की सबसे बड़ी दुश्मन आतिशबाज़ी ही हैं तो इनके उत्पादन पर प्रतिबंध क्यों नहीं ? इनके निर्माण,बिक्री व एजेंसी,विक्रय केंद्र आदि के लिये लाइसेंस जारी करने का क्या औचित्य ? यह तो वैसा ही है कि पॉलीथिन का उत्पादन भी होगा और बिक्री भी परन्तु यदि किसी उपभोक्ता के हाथों में पॉलीथिन बैग नज़र आया तो उसपर जुर्माना ?

दरअसल सरकार ऐसे कई विषयों पर भ्रमित नज़र आती है। एक ओर तो कारपोरेट के हितों की चिंता,राजस्व की प्राप्ति की लालच तो दूसरी ओर बढ़ती गलोबल वार्मिंग के चलते प्रदूषण नियंत्रण हेतु पड़ने वाले अंतर्राष्ट्रीय दबाव। इन हालात में सरकार को सबसे %साफ़ट टारगेट % असंगठित आम जनता ही नज़र आती है या फिर देश का अन्नदाता किसान। जिनको समय समय पर सरकार प्रदूषण का ज़िम्मेदार ठहराती रहती है। जबकि हक़ीक़त में पराली और पटाख़ा ही प्रदूषण के मुख्य कारक नहीं बल्कि हर वक़्त का बेतहाशा यातायात इसका सबसे बड़ा कारण है।

खुद तय करें कि अगले जन्म में क्या बनेंगे

अगले जन्म में आप धनवान बनेंगे या गरीब, एक्टर बनेंगे या डॉक्टर यह सब आप पर निर्भर है। हो सकता है कि आप इस पर यकीन न करें लेकिन सच यही है। इसका प्रमाण है श्रीमद्भगवत् गीता। गीता में भगवान श्री कृष्ण ने कहा कि आत्मा अमर है। एक शरीर को छोड़कर आत्मा दूसरा शरीर धारण कर लेती है। अर्जुन को समझाते हुए श्री कृष्ण ने कहा है कि ऐसा कोई समय नहीं है जब तुम और मैं नहीं थे। आने वाला ऐसा कोई समय नहीं है जब हम और तुम नहीं होंगे। भगवान प्रत्यक्ष रूप से कहते हैं आत्मा निरंतर एक शरीर से दूसरे शरीर में पहुंचकर अपनी यात्रा जारी रखती है। यानी आप चाहें या न चाहें आपको अगल जन्म लेना है। आपके हाथ में बस इतना है कि आप अगले जन्म में खुद को किस रूप में देखना चाहते हैं यह तय करें। आप कहेंगे कि जब हम खुद ही तय कर सकते हैं कि हमें अगले जन्म में क्या बनना है तो हर व्यक्ति धनवान और सुखी होता है। लेकिन इस दुनियां में गरीब भी हैं और दुखी भी हैं। श्रीमद्भगवत् गीता में इस प्रश्न का भी उत्तर है। गीता के अष्टम में अध्याय में लिखा है, श्री कृष्ण अर्जुन से कहते है ''यं यं वापि स्मरन्भावं त्यजत्यन्ते कलेवरम। तं तमेवैति कौन्तेय सदा तद् भावभावित- इसका अर्थ है, '' हे कुन्तीपुत्र अर्जुन! यह मनुष्य अन्तकाल में जिस-जिस भी भाव को स्मरण करता हुआ शरीर का त्याग करता है, उस उसको ही प्राप्त होता है, क्योंकि वह सदा उसी भाव से भावित रहा है। यानी आप अंत समय में जिन-जिन चीजों का ध्यान करेंगे अगले जन्म में उन चीजों को प्राप्त करेंगे। इसी मान्यता के कारण बहुत से लोग अपने बच्चों का नाम भगवान के नाम पर अर्थात राम, विष्णु, कृष्ण, गोविंद आदि रखते हैं। इसका उद्देश्य यह रहता है कि जीवन काल में संतान का नाम लेते हुए भगवान का भी स्मरण बना रहे।

छठ- सूर्योपासना का महापर्व

योगेश कुमार गोयल

(छठ पूजा (30 अक्तूबर) पर विशेष)

आस्था और निष्ठा का अनुपम लोकपर्व 'छठ' उत्तर भारत, विशेषकर बिहार, झारखण्ड, पूर्वी उत्तर प्रदेश तथा नेपाल के तराई क्षेत्रों में मनाया जाने वाला सूर्योपासना का महापर्व है। यह पर्व सूर्य, उनकी पत्नी उषा तथा प्रत्यूषा, प्रकृति, जल, वायु और सूर्य की बहन छठी मैया को समर्पित है, जो 30 अक्तूबर को मनाया जा रहा है। उषा तथा प्रत्यूषा को सूर्य की शक्तियों का मुख्य स्रोत माना गया है, इसीलिए छठ पर्व में सूर्य तथा छठी मैया के साथ इन दोनों शक्तियों की भी आराधना की जाती है। षष्ठी देवी को ही छठ मैया कहा गया है, जो निसंतानों को संतान देती हैं और संतानों की रक्षा कर उनको दीर्घायु बनाती हैं। पुराणों में षष्ठी देवी का एक नाम कात्यायनी भी है, जिनकी पूजा नवरात्र में षष्ठी को होती है। माना जाता है कि छठ पर्व में सूर्य की उपासना करने से छठी माता प्रसन्न होकर घर-परिवार में सुख-समृद्धि, रोगमुक्ति, सम्पन्नता और मनोवांछित फल प्रदान करती हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार सूर्य देवता की बहन छठी मैया संतानों की रक्षा कर उन्हें लंबी आयु प्रदान करती हैं। प्रातःकाल में सूर्य की पहली किरण (उषा) और सायंकाल में सूर्य की अंतिम किरण (प्रत्यूषा) को अर्घ्य देकर दोनों को नमन किया जाता है।

सूर्योपासना का महापर्व छठ कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी को मनाया जाता है, इसीलिए इसे छठ कहा जाता है। इस चार दिवसीय उत्सव की शुरूआत कार्तिक शुक्ल चतुर्थी के दिन 'नहाय खाय' से होती है, अगले दिन 'खरना' होता है, तीसरे दिन छठ का प्रसाद तैयार किया जाता है और स्नान कर अस्त होते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है, सप्तमी को चौथे और अंतिम दिन उगते सूर्य की पूजा-आराधाना के साथ इस महापर्व का समापन होता है। छठ पर्व के प्रसाद में प्रायः चावल के लड्डू बनाए जाते हैं और बांस की टोकरी में प्रसाद तथा फल सजाकर इस टोकरी की पूजा की जाती है। व्रत रखने वाली महिलाएं सूर्य को अर्घ्य देने तथा पूजा के लिए तालाब, नदी अथवा घाट पर

जाकर स्नान कर डूबते हुए सूर्य की पूजा करती हैं और अगले दिन सूर्योदय के समय सूर्य को अर्घ्य देकर पूजा करने के पश्चात् प्रसाद बांटकर छठ पूजा का समापन होता है। सही मायनों में यह महापर्व जीवनदायी सूर्यदेव के प्रति आभार प्रकट करने का महापर्व है।

छठ महापर्व की शुरूआत को लेकर कई कथाएं प्रचलित हैं। ऐसी मान्यता है कि लोक मातृका षष्ठी की पहली पूजा सूर्यदेव ने ही की थी। सूर्य को ज्योतिष विधा में सभी ग्रहों का अधिपति माना गया है। इसीलिए मान्यता है कि यदि समस्त ग्रहों को प्रसन्न करने के बजाय केवल सूर्यदेव की ही आराधना की जाए तो कई लाभ मिल सकते हैं। माना जाता है कि सर्वप्रथम महाबली कर्ण ने ही सूर्यदेव की पूजा शुरू की थी और आज भी छठ पर्व में सूर्य को अर्घ्य देने का विशेष महत्व है। सूर्यपुत्र कर्ण तो भगवान सूर्य के परम भक्त थे, जो प्रतिदिन घंटों तक कमर तक पानी में खड़े होकर सूर्यदेव को अर्घ्य दिया करते थे। सूर्यदेव की कृपा से ही वे महान् योद्धा बने थे। एक मान्यता यह भी है कि देवमाता अदिति ने प्रथम देवासुर संग्राम में असुरों से देवताओं के हार जाने पर तेजस्वी पुत्र की प्राप्ति के लिए देवारण्य के देव सूर्य मंदिर में छठी मैया की आराधना की थी। छठी मैया ने उनकी आराधना से प्रसन्न होकर उन्हें सर्वगुण सम्पन्न तेजस्वी पुत्र को जन्म देने का वरदान दिया, जिसके बाद अदिति ने त्रिदेव रूप आदित्य भगवान को जन्म दिया, जिन्होंने देवताओं को असुरों पर विजय दिलाई। कहा जाता है कि तभी से छठ पर्व मनाए जाने का चलन शुरू हो गया। इस पर्व को लेकर कुछ मान्यताएं महाभारत काल से भी जुड़ी हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार पाण्डव जब अपना सारा राजपाट जुए में हार गए थे, तब श्रीकृष्ण के निर्देशानुसार द्रोपदी ने छठ व्रत रखा और छठी मैया के आशीर्वाद से उनकी मनोकामनाएं पूर्ण होने पर पाण्डवों को राजपाट वापस मिला। पाण्डवों की पत्नी द्रोपदी द्वारा परिजनों के उत्तम स्वास्थ्य की कामना और लंबी आयु के लिए नियमित रूप से सूर्य की पूजा करने का उल्लेख भी मिलता है। छठ पूजा के अवसर पर नदियों, तालाबों इत्यादि के किनारे पूजा की जाती है, जिससे लोगों को इन जलस्रोतों के आसपास साफ-सफाई रखने की प्रेरणा मिलती है।

चुप्पी तोड़िए न्याय का साथ दीजिये, देशभक्त बनिए

राजकुमार जैन

क्षणिक स्वार्थों की पूर्ति के लिए, ये कैसा दौर आ गया ऐ दुनिया वालों, समाज को दिशा देने वाले लोगों का भी, सच बोलने में अब मन कांपता हैं यारों एक चुप सौ को हराए, एक चुप सौ को सुख दे जाए यह कहावत हम हमेशा से सुनते चले आ रहे हैं और इसी सोच के चलते हम ना चाहते हुए भी अपने आसपास कुछ गलत होते हुए देखकर आवाज उठाने की बजाय चुप्पी साध जाते हैं , मौन ओढ़ लेते हैं या यूं भी कहा जा सकता है की सच से मुंह छुपा लेते हैं। परंतु यह भी सत्य है कि इस जीवन में सदैव चुप रहना भी उचित नहीं होता है, गीता में कहा गया है किङ्क जहां पाप का बल बढ़ रहा हो, जहां छल-कपट हो रहा हो वहां पर मौन रहने से अधिक गंभीर अपराध और कुछ नहीं हो सकता अगर किसी व्यक्ति पर कोई दुराचारी अन्याय करता है तो वो गलत है परंतु उसे उसे देखकर उसका विरोध ना करना और चुप्पी लगा जाना भी पाप है। अन्याय के विरुद्ध लड़ना मानव धर्म है।

कहते हैं कि यदि हम चुपचाप किसी अन्याय को सहन करते हैं तो हम भी उस जुर्म के भागीदार बन जाते हैं, मौन रहना अन्याय का दायरा बढ़ाना है, रोज़मर्रा के जीवन में हम लोग अपनी आंखो के सामने गलत कार्य होता हुआ देख कर चुप्पी साध लेते हैं, जैसे हम अक्सर लोगों को सड़कों पर यातायत नियमों को तोड़ते हुए देखते है लेकिन हमें क्या सोचकर चुप रहते है, लोग सार्वजनिक संपत्ती को नुकसान पहुचाते है, हम चुपचाप देखते रहते है, बस या ट्रेन में यात्रा करते समय हम मनचलो को महिला यात्री को परेशान करते हुए देखते है हम चुप रहते है, टिकट लेने या अन्य कार्यों के लिए लगी लाईन में लोग आगे घुस जाते है हम चुप रहते है, घर में नई बहू को तंग किया जाता है हम चुप रहते है, बच्चो के लालन-पालन में लिंग आधारित भेदभाव होता हुआ देखते है और हम चुप रहते है, वाट्सएप ग्रुप पर अवांछित पोस्ट आती है लेकिन हम चुप रहते है, एक लंबी लिस्ट है ऐसे कार्यों की जिनके खिलाफ बोलना चाहिए लेकिन हम चुप रहते है।

हम सबके जीवन में कभी ना कभी यह समस्या अवश्य आती है जब हम सोचते है कि यह गलत हो रहा है और हमें इसके विरुद्ध बोलना चाहिए लेकिन हम रिश्ते बचाने के चक्कर में या किसी ताकतवर की ताकत से डरकर मौन रह जाते हैं। ऐसा क्यों होता है, क्यों प्रायः किसीकी नाराज़गी से बचने के लिए हम मौन रह जाते हैं। हम मानते हैं कि ऐसा करने से हम एक विवाद से बच जाते हैं। हो सकता है कि एक संघर्ष से भी बच जाते हों। परंतु ऐसा बचाव देर-सबेर एक बड़े विवाद को बड़े संघर्ष को जन्म देता है। सही समय पर हमारा मौन रह जाना अनजाने में उस व्यक्ति का समर्थन बन जाता है, ताकत बन जाता है , और वह अपने आपको सही और अधिक शक्तिशाली अनुभव करने लगता है। यहीं से हमारा दमन प्रारंभ हो जाता है। एक के बाद एक, हम उसके द्वारा किए जा रहे अन्याय में अनचाहे रूप से सम्मिलित होते चले जाते हैं , आज समाज में यही तो हो रहा है, अन्याय होता देख हम चुप रहकर बच निकलते हैं, कन्नी काट लेते है, मुंह छुपा लेते है । जहां विरोध करना चाहिए वहां कोई बोलता नहीं है, ऐसा व्यवहार करके क्या हम निरंतर अपराध के भागीदार नहीं बन रहे, विचार करके देखिए।

देश में इस तरह के हालात हमारे सभ्य समाज के अस्तित्व के लिए एक बहुत बड़ा खतरा बन रहे है, मुझे क्या पड़ी है इस सोच के चलते देश में अपराध व भ्रष्टाचार अपने चरम पर पहुंच गया है। इंसान का तेजी से पतन हो रहा है, इंसानियत व मानवीय संवेदनाओं को आये दिन सरेआम सड़कों पर हत्या हो रही है। तो फिर इसका निदान क्या है, यह समझने के लिए यह जानना आवश्यक है कि ऐसी कौन सी बात है जो विरोध करने से रोकती है। यह सामने वाले की शक्ति तो नहीं हो सकती। यह तो हमारा खुद का डर होता है जो हमें मौन रहने को विवश करता है। क्या हम मन से इस डर को, इस भय को निकाल कर अन्याय का विरोध नहीं कर सकते, आखिर वह हमारा क्या और कितना बिगाड़ सकता है, सोचिए, ऐसा करने से हमारा मन कितना मुक्त, कितना हल्का अनुभव करेगा। गीता में भी कहा गया है, अन्याय सहना अन्याय करने से ज्यादा बड़ा पाप है। इतिहास साक्षी है कि पापियों की उद्दंडता ने संसार को उतनी हानि नहीं पहुंचाई जितनी कि सज्जनों के मौन ने पहुंचाई। यदि कोई मूर्ख बोल रहा है तो मौन रहना उचित है, परंतु यदि कहीं छल हो रहा है, अपराध हो रहा है, असामाजिक कार्य हो रहा है, मानवता के विरुद्ध कर्म हो रहा है, पर्यावरण को नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

सूडोकु नवताल- 6233

★★★★☆ मध्यम

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल 6232 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

कश्मीर की सच्ची आजादी?

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

भारत के रक्षामंत्री राजनाथसिंह ने पाकिस्तान के कब्जाए हुए कश्मीर और बल्तिस्तान को आजाद करने का नारा काफी जोर-शोर से लगाया है। उन्होंने 26 अक्टूबर को मनाए जा रहे शौर्य दिवस के अवसर पर कहा है कि तथाकथित 'आजाद कश्मीर' के लोगों पर थोपी जा रही गुलामी को देखकर तरस आता है। उन्हें सच्ची आजादी दिलाना बहुत जरुरी है। भारत इस मामले में चुप नहीं बैठेगा। राजनाथसिंह के पहले हमारी विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने उस कश्मीर को आजाद करने की बात काफी जोरदार ढंग से कही थी। उनके पहले तथाकथित पाकिस्तानी कश्मीर के बारे में हमारे प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री प्रायः कुछ बोलते ही नहीं थे लेकिन मेरी पाकिस्तान-यात्रा के दौरान जब-जब वहां मेरे भाषण और पत्रकार-परिषदें हुईं, मैंने 'आजाद कश्मीर' के सवाल को उठाया। पाकिस्तान के राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों से जब-जब मेरी मुलाकातें होती तो वे मुझे कहते कि सबसे पहले आप अपना कश्मीर हमारे हवाले कीजिए, तब ही हमारे आपसी संबंध सुधर सकते हैं। मैं उनसे पूछता कि आपने संयुक्तराष्ट्र संघ का 1948 का वह प्रस्ताव पढ़ा है या नहीं, जिसमें जनमत-संग्रह के पहले पाकिस्तान को कहा गया था कि आप अपने कब्जे के कश्मीर से अपना एक-एक फौजी और अफसर हटाएँ? ज्यादातर पाकिस्तानी नेता, पत्रकार और फौज के उच्चपदस्थ जनरलों को भी इस शर्त का पता ही नहीं था। प्रधानमंत्री बेनज़ीर भुट्टो को दिखाने लिए तो मैं वह स.रा. दस्तावेज़ जेब में रखकर ले गया था। पाकिस्तानी कश्मीर के तीन तथाकथित प्रधानमंत्रियों से कई बार मेरे लंबे संवाद हुए, इस्लामाबाद, लंदन और वाशिंगटन डी.सी. में। वे लोग दोनों कश्मीरों को मिलाकर आजादी की बात जरुर करते थे लेकिन बात करते-करते वे यह भी बताने लगते थे कि पाकिस्तान की फौज और सरकार उन पर कितने भयंकर अत्याचार करती है। एक कश्मीरी लेखक की उन्हीं दिनों छपी पुस्तक में कहा गया था कि गर्मी के दिनों में 'उनके कश्मीर' को पाकिस्तान के पंजाबी अमीर लोग 'विराट वेश्यालय' बना डालते हैं। बेनजीर ने अपने फौजी गृहमंत्री से कहा था कि वे मुझे 'आजाद कश्मीर' के प्रधानमंत्री से मिलवा दें तो उन गृहमंत्रीजी ने मुझसे कहा कि वह आजाद कश्मीर का 'प्रधानमंत्री' नहीं है वह तो किसी शहर के मामूली महापौर की तरह है। सच्चाई तो यह है कि पाकिस्तान ने 1948 में कश्मीर के जिस हिस्से पर कब्जा कर लिया था, उसे वह अपना गुलाम बनाकर तो रखना ही चाहता है, उसकी कोशिश है कि भारतीय कश्मीर भी उसका गुलाम बन जाए। दोनों कश्मीरियों को आजादी चाहिए।

सटई को तहसील और सिविल अस्पताल की सौगात

बिजावर में बस स्टैंड और स्टेडियम का विकास होगा

बिजावर के मौनिया महोत्सव में मुख्यमंत्री ने लगाई घोषणाओं की झड़ी

संभागीय ब्यूरो गौरी शंकर कुशवाहा
पुष्पांजली टुडे

छतरपुर। बिजावर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक राजेश बबलू शुक्ला द्वारा बुंदेली परंपरा पर आयोजित किए गए मौनिया महोत्सव कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आए प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने चिर-परिचित अंदाज में छतरपुर जिले की बिजावर विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए अनेक घोषणाएं कर डालीं। लगभग 24 मिनट के भाषण में ही मुख्यमंत्री ने बिजावर, सटई और जटाशंकर को लेकर कई सौगातों का ऐलान किया। इनमें सबसे महत्वपूर्ण सौगातें सटई को लेकर की गईं।

मुख्यमंत्री ने विधायक बबलू शुक्ला की मांग पर सटई के सामुदायिक अस्पताल को सिविल अस्पताल के रूप में उन्नयन करने का ऐलान किया। इसके साथ ही बिजावर को तत्काल प्रभाव से तहसील घोषित करने का ऐलान भी कर डाला। उन्होंने बिजावर क्षेत्र के ही जटाशंकर को मध्यप्रदेश के पर्यटन नक्शे में शामिल कर इसके भरपूर विकास का वादा किया साथ ही बिजावर में एक नए आईटीआई कॉलेज खोलने, वर्तमान में

संचालित हो रहे महाविद्यालय में बीएससी और बीकॉम की कक्षाएं इसी वर्ष से प्रारंभ करने की घोषणा भी की। शिवराज ने बिजावर के बस स्टैण्ड एवं स्टेडियम के विकास के लिए भी फंड देने की बात कही। उन्होंने कहा कि वे इस क्षेत्र की सभी छोटी-बड़ी मांगों के लिए 18 करोड़ रुपए का फंड देंगे। शिवराज सिंह चौहान शनिवार की दोपहर लगभग 2 बजकर 20 मिनट पर बिजावर में आयोजित मौनिया महोत्सव में शामिल हुए। उन्होंने बबलू शुक्ला के मांग पत्र को सुनने के बाद अपने संबोधन में इन घोषणाओं की झड़ी लगाई। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि केन-बेतवा लिंक परियोजना का केन्द्र भी बिजावर क्षेत्र है। यहां के किसानों की जमीनों पर ढोंढ़न् बांध बनाया जाएगा। इन किसानों को भी पर्याप्त मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि केन-बेतवा लिंक परियोजना के पूरे होने जाने के बाद सूखे हुए बुंदेलखंड की जमीन सिंचित होगी। हमारे बुंदेलखंड का किसान बहुत मेहनती है। अगर उन्हें पर्याप्त पानी मिला तो वे पंजाब को भी मात दे देंगे। उन्होंने मंच से ही कलेक्टर को निर्देशित किया कि असमय हुई बारिश के कारण खराब हुई फसलों का सर्वे कराएं। किसानों को राहत राशि और फसल बीमा योजना के अंतर्गत सहायता दी जाएगी। उन्होंने आम जनता से अपील करते हुए कहा कि अपने गांव को नशा मुक्त बनाएं, बेटियों का सम्मान करें, दो नवंबर को लाड़ली लक्ष्मी दिवस मनाएं। उन्होंने कलेक्टर को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री जनसुनवाई शिविर में आ रहे आवेदनों को गंभीरता से सुनें, हर हितग्राही को ईमानदारी से लाभ पहुंचाएं। कार्यक्रम के दौरान मंच पर भाजपा के संभागीय संगठन प्रभारी चौधरी मुकेश चतुर्वेदी, जिले के प्रभारी अवधेश नायक, विधायक प्रद्युम्न सिंह, राजेश प्रजापति, पूर्व मंत्री ललिता यादव, भाजपा जिलाध्यक्ष मलखान सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष उमेश शुक्ला, पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती विद्या अग्निहोत्री, पूर्व नपाध्यक्ष अर्चना सिंह, पूर्व विधायक गुड्डन पाठक, आईजी, कमिश्नर, कलेक्टर एवं एसपी मौजूद रहे।

अब लल्लू-कल्लू और पन्ना के बच्चे भी बनेंगे डॉक्टर

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है जो अंग्रेजी की अनिवार्यता को खत्म करते हुए गरीब और पिछड़े परिवारों के लिए उच्च शिक्षा को सुलभ बना रहा है। अब प्रदेश में मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई को हिंदी में कराया जा रहा है ताकि लल्लू-कल्लू और पन्ना के गरीब बेटे-बेटियां भी डॉक्टर और इंजीनियर बन सकें।

मोरपंख पहनकर मौनिया नृत्य में हुए शामिल

बुंदेलखंड में दीपावली के त्यौहार के बाद ग्रामीण भगवान श्रीकृष्ण को समर्पित भक्ति नृत्य मौनिया का आनंद लेते हैं। क्षेत्रीय विधायक बबलू शुक्ला ने पिछले 4 वर्षों में इस नृत्य को बड़ा मंच देने की कोशिश की है। हर साल होने वाले इस मौनिया महोत्सव से मुख्यमंत्री अत्यधिक प्रभावित नजर आए। बबलू शुक्ला ने मुख्यमंत्री को मौनिया नर्तकों द्वारा पहने जाने वाले मोरपंख का मुकुट और अंगवस्त्र पहनाए तो सीएम खिल उठे। उन्होंने माईक पर जाते ही कहा कि आज भाषण देने का मन नहीं है बल्कि नगड़िया बजाने का मन है। भाषण के बाद उन्होंने स्वयं ही मौनिया नर्तकों के साथ मैदान में उतरकर इस अद्भुत नृत्य का आनंद लिया।

हाथियों का दल लगातार बदल रहा है जगह, पता लगाने में हो रही है कठिनाई इसलिए हाथियों के लोकेशन जानने के लिए हाथी के गले में लगाया जायेगा कॉलर आईडी

दैनिक पुष्पांजली टुडे

गरियाबंद। हाथियों को कॉलर आईडी लगाने विशेषज्ञो का दल कर्नाटक से पहुंचे मैनपुर उदंती सीतानदी क्षेत्र हाथी प्रभावित जंगलो का किया निरीक्षण एक वर्ष के भीतर हाथियों के गले में कॉलर आईडी लगाने की तैयारियां विभाग द्वारा किया जा रहा है गरियाबंद।

मैनपुर, तौरेंगा, कुल्हाड़ीघाट एवं उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व सहित पूरे गरियाबंद जिले में लगातार हाथियों के दल पिछले 6 - 7 वर्षो से पहुंच रहा है और हाथियों का दल क्षेत्र में जमकर नुकसान भी पहुंचा रहा है। हाथियों का दल एक दिन में कई स्थान बदल रहे हैं जिसके चलते उनके वास्तविक जानकारी एकत्र करने में वन विभाग को भारी दिक्कतो का सामना करना पड़ता है। इसलिए अब हाथियों के सही लोकेशन और जानकारी के लिए उनके गले में कॉलर आईडी लगाने की योजना वन विभाग द्वारा बनाई जा रही है और हाथियों को कॉलर आईडी लगाने के लिए विशेषज्ञो का टीम पिछले दिनों वाइल्ड लाईफ हाथी संरक्षण कर्नाटक की टीम के मुखिया सुश्री ऋत्रा के नेतृत्व में मैनपुर, गरियाबंद, ओड़, आमामोरा, तौरेंगा, गोपालपुर, गोबरा, सोंढुर, नगरी, सिहावा एवं उदंती सीतानदी क्षेत्र के हाथी प्रभावित ग्रामो का निरीक्षण भी किया है जिससे हाथियों के दल में कॉलर आईडी लगाया जा सके। हालकि कॉलर आईडी लगाने के लिए विभाग को एक वर्ष का समय लग सकता है लेकिन क्षेत्र में पहुंच रहे हाथियों के दल में कॉलर आईडी लगाने के लिए विभागीय तैयारियां प्रारंभ किये जाने की जानकारी मिली है। गरियाबंद जिले में जंगली हाथियों को बढ़ती आमद को देखते हुए अब वन विभाग ने हाथियों की लोकेशन जानने कालर आईडी लगाने की योजना तैयार की है जानकारी के मुताबिक विभाग ने पहले फेस में सिकासार दल के हाथी में कालर आईडी लगाने का निर्णय लिया है। इस दल में लगभग 33-34 हाथी है सबसे ज्यादा नुकसान और खतरे का डर इसी दल रहता है।

छत्तीसगढ़ का आदिवासी आंसू बहा रहा है सड़कों पर है कांग्रेस सरकार नृत्य करवा रही है:भाजपा

भूपेश बघेल बताएं आदिवासियों के लिए नौकरी और शिक्षा के अधिकार जरूरी हैं या नृत्य?

भारतीय जनता पार्टी के महामंत्री व पूर्व मंत्री केदार कश्यप व अनुसूचित जनजाति मोर्चा के अध्यक्ष विकास मरकाम ने प्रेस वार्ता कर प्रदेश की वर्तमान स्थिति पर चिंता जाहिर किया है। भाजपा नेताओं ने बताया कि पूरे प्रदेश के 32त्न आदिवासी आबादी कांग्रेस की इस ठगेश सरकार से नाराज है। विभिन्न जिलों के दर्जनों आदिवासी संगठनों ने महामहिम राज्यपाल महोदया और जिला कलेक्टरों को ज्ञापन सौंपकर अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए आदिवासी नृत्य महोत्सव के औचित्य पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया

है और उनके द्वारा इस नृत्य महोत्सव के बहिष्कार की भी घोषणा की गई है। आदिवासी समाज की इस भारी नाराजगी को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी भी भूपेश बघेल की इस सरकार से सवाल पूछती है कि-

1. प्रदेश का 32त्न आबादी वाला सम्पूर्ण आदिवासी समाज जब आदिवासी नृत्य महोत्सव का विरोध कर रहा है तब भूपेश बघेल यह नृत्य महोत्सव किसके लिए करवा रहे हैं?

2. आदिवासियों के 32त्न आरक्षण का संवैधानिक अधिकार इस सरकार की लापरवाही के कारण छीन लिया गया है तो फिर यह कांग्रेस सरकार क्यों आदिवासियों के नाम पर महोत्सव मनाकर हमारे जले में नमक छिड़क रही है?

3. बस्तर, सरगुजा और बिलासपुर संभाग के पांचवी अनुसूची वाले जिलों से स्थानीय भर्ती में 100त्न प्राथमिकता का अधिकार छीनकर क्या भूपेश बघेल खुशी मनाना चाहते हैं और इसीलिए आदिवासी नृत्य महोत्सव का आयोजन कर रहे हैं?

4. पूरे प्रदेश में आदिवासी समाज भूपेश बघेल की इस सरकार से त्रस्त है। पूरे प्रदेशभर में धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। अनेक स्थानों पर चक्का जाम किया गया है। आदिवासी समाज अपने संवैधानिक अधिकारों की प्राप्ति के लिए लड़ाई लड़ रहा है और प्रदेश की यह आदिवासी विरोधी सरकार देश-विदेश से आदिवासियों को बुलाकर प्रदेश के आदिवासियों का अपमान क्यों कर रही है?

5. *भूपेश बघेल और कांग्रेस सरकार स्पष्ट करें आदिवासियों के लिए शिक्षा और नौकरी के अधिकार जरूरी है या नृत्य*?

और अंत में

वो तुम्हे नाच गाना दिखाकर बहलाने की कोशिश करेगा, तुम अपने 32त्न की मांग पर अड़े रहना।

प्रेस वार्ता में प्रदेश मीडिया विभाग के सह प्रभारी अनुराग अग्रवाल प्रदेश प्रवक्ता दीपक महस्के, नलीनेश ठोकने ने मौजूद रहे।

कांग्रेस में चला आज दिनभर बैठकों का दौर

जिला प्रभारी मनोज त्रिवेदी ने अध्यक्षों से की वन टू वन चर्चा

संभागीय ब्यूरो गौरी शंकर कुशवाहा
पुष्पांजली टुडे

पन्ना- विधानसभा चुनाव के लिए एक साल से भी कम शेष बचा हुआ है और सत्ताधारी पार्टी भाजपा के द्वारा जहां मुख्यमंत्री जन सेवा शिविर आयोजित किए जा रहे हैं वहीं कांग्रेस पार्टी के द्वारा गांधी चौपाल व भारत जोड़ो यात्रा गांव गांव में की जा रही है आज पूरे दिन भर मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के द्वारा नियुक्त प्रभारी मनोज त्रिवेदी ने बैठके ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार श्री त्रिवेदी दोपहर 12 पन्ना पहुंचे और उन्होंने स्थानीय सर्किट हाउस में पहले जिले के सभी कार्यवाहक जिलाध्यक्ष उसके बाद पन्ना विधानसभा क्षेत्र के संभावित प्रत्याशी जो चुनाव लड़ने के लिए इच्छुक हैं उनसे बातचीत की उसके बाद जिले के सभी मोर्चा संगठनों के अध्यक्षों विभागों के अध्यक्षों से वन टू वन चर्चा की इस दौरान जिले के सह प्रभारी प्रवीण खरे व जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष श्रीमती शारदा पाठक जी मौजूद रहे। प्राप्त जानकारी के अनुसार पन्ना विधानसभा क्षेत्र के सभी मंडलम एवं सेक्टर अध्यक्षों को भोपाल ले जाकर मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ से सौजन्य मुलाकात करवाए जाने का कार्यक्रम तय किया गया है उसके संबंध में भी सभी नेताओं से विस्तृत बातचीत की गई जिला प्रभारी श्री त्रिवेदी ने सभी नेताओं से आग्रह किया कि वह अपने-अपने क्षेत्रों में लग जाए और कहा कि समस्याओं को प्रमुखता के साथ उठाएं उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए हम सभी लोग लगे हुए हैं और वही मजबूत संगठन विधानसभा के चुनाव में पार्टी जिसे अपना उम्मीदवार बनाएगी उस को जिताने के लिए पूरी ताकत से मैदान में लगेगा इस दौरान वरिष्ठ कांग्रेस नेता पदाधिकारी मोर्चा संगठनों विभागों के प्रमुख उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम पर छाया रहा आप का खौप। आप नेता अमित भटनागर सहित कई कार्यकर्ताओं को किया गिरफ्तार

जन समस्याओं का ज्ञापन नही ले सकते तो कुर्सी छोड़ दें शिवराज : अमित भटनागर

बिजावर में अवैध शराब व सरकारी कार्यालय में खुलेआम घूस पर हुआ प्रदर्शन

संभागीय ब्यूरो गौरी शंकर कुशवाहा
पुष्पांजली टुडे

बिजवार, छतरपुर// मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के बिजावर मोनिया महोत्सव कार्यक्रम पर प्रशासन को काफी मसक्कत करनी पड़ी, प्रशासन ने सामाजिक कार्यकर्ता व आप नेता अमित भटनागर सहित आधा सैकड़ा आप कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार व नजरबंद किया। आप नेता अमित भटनागर ने स्थानीय समस्याओं को लेकर सीमित कार्यकर्ताओं के साथ आम आदमी पार्टी के तत्वाधान में ज्ञापन की घोषणा की थी व प्रशासन को अवगत कराया था, इसके बाद प्रशासन सकते में आ गया, पहले तो अमित भटनागर को ज्ञापन ना देने का दबाव बनाता रहा लेकिन जब वह नहीं माने तो सुबह से ही उनके घर को छावनी बना कर उनके घर से गिरफ्तार कर लिया गया और उनको गुलगंज थाने भेज दिया गया, उनके समर्थक राहुल अहिरवार को अज्ञात स्थान पर भेज दिया गया। अमित भटनागर के गिरफ्तारी की खबर लगते ही आम आदमी पार्टी के नगर पंचायत बिजावर वार्ड नं 01 पार्षद रामपाल शर्मा, वार्ड नं 09 पार्षद दिव्या अहिरवार, बहादुर आदिवासी, केश कुमार राजपूत, भगत राम तिवारी, हिसाबी राजपूत, रोहित अहिरवार, देवीदीन कुशवाहा सहित आधा सैकड़ा कार्यकर्ताओं ने नगर की साफ सफाई आदि समस्याओं सम्बंधी ज्ञापन सौंप अपने नेता की गिरफ्तारी का विरोध कर सरकार के

इस कदम को तानाशाही बताते हुए बिजावर बस स्टैंड में प्रदर्शन करना शुरू कर दिया प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने अवैध शराब और सरकारी कार्यालयो में खुले आम घूसखोरी के खिलाफ नारेबाजी भी की,इस दौरान आप कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच कई बार तीखी झड़प भी हुई इसके बाद आप कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर बिजावर थाने में भेज दिया गया है। खबर लिखे जाने तक अभी उनकी रिहाई नहीं हुई। इसके साथ ही प्रशासन ने आम आदमी पार्टी के कई कार्यकर्ताओं को उनके ही गांव में ही नजरबंद कर रखा। आप नेता अमित भटनागर ने भाजपा की शिवराज सरकार को तानाशाह और जन विरोधी बताते हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को खुला पत्र लिखते हुए पूछा है कि क्या आप की सरकार में शांतिपूर्ण तरीके से जन समस्याओं से संबंधित ज्ञापन देना अपराध की श्रेणी में आता है? साथ ही अमित भटनागर का कहना है कि उन्होंने पहले ही प्रशासन को अवगत करा दिया था कि ज्ञापन सीमित कार्यकर्ताओं के साथ बहुत ही शांतिपूर्ण तरीके से सौपा जाएगा, उसके बाबजूत जिस तरह से सुवह से उनके घर को छावनी बना गिरफ्तार किया गया उससे बिजावर क्षेत्र में विधायक व भाजपा के नेताओं के संरक्षण में चल रहे दारू व बालू के अवैध व्यापार व ऊपर तक हिस्सा जाता है ऐसा कह कर सरकारी कार्यालयो में जो खुलेआम खूस खोरी हो रही उसके तार कहीं न कहीं मुख्यमंत्री से जुड़े होने का अंदेशा होता है। साथ ही अमित का कहना है कि उनके द्वारा केंद्र बेतवा लिंक परियोजना में स्थानीय प्रशासन द्वारा लिंक प्रभावितों के संवैधानिक अधिकारों के हनन की बात ज्ञापन में कही थी। अमित भटनागर ने खुले पत्र के माध्यम से सरकार से पुलिस के दुरुपयोग को रोकने का सुझाव देते हुए कहा कि वे मौत से नहीं डरते, इस तरह की कायराना हरकतों से उनका दारू, बालू माफियाओं और घोसखोरों को संरक्षण देने वाली सरकार से संघर्ष का संकल्प और मजबूत हुआ है।

नशा मुक्ति अभियान के तहत ग्राम गोराताल में ओरछा थाना प्रभारी ने ग्रामीणों से किया जनसंवाद

नशा छोड़ने के लिए ओरछा थाना प्रभारी अभिषेक चौबे ने ग्रामीणों को किया जागरूक

नशा छोड़ें और दूसरों को भी नशा करने से रोकें क्योंकि यह ग्राम आपका है-अभिषेक चौबे

संभागीय ब्यूरो गौरी शंकर कुशवाहा
पुष्पांजली टुडे

छतरपुर- नशा मुक्ति अभियान के तहत छतरपुर शहर के ओरछा थाना प्रभारी अभिषेक चौबे ने थाना बल के साथ अपने थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम गोराताल में पहुंचकर ग्रामीणों के साथ जनसंवाद किया। ओरछा थाना प्रभारी अभिषेक चौबे ने नशा मुक्ति अभियान के तहत ग्रामीणों से जनसंवाद करते हुए ग्रामीणों

को बताया कि नशा करने से किस तरह से आप अपना स्वयं का नुकसान तो करते ही है एवं अपने परिवार को दिक्कतों में डालते हैं, ओरछा थाना प्रभारी ने ग्रामीणों को बताया कि हमारी युवा पीढ़ी नशे की चपेट मे आ रही और वह विभिन्न प्रकार के नशे करके आपराधिक घटनाएं घटित कर देते है जिससे वह तो अपराधी बन ही जाते है एवं अपने परिवार को परेशानियों मे डाल देते है,उन्होंने युवाओं के द्वारा नशे मे किए गए अपराध के बारे में भी जनाकरी ग्रामीणों के साथ साझा की, की किस तरह लोग नशे मे रहकर आपराधिक घटना घटित कर देते है और नशा उतर जाने के बाद उन्हें पछतावा होता है, उन्होंने ग्रामीणों को जागरूक करते हुए कहा कि नशा नहीं करना चाहिए इससे हम तो सुरक्षित रहेंगे और हमारा स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा साथ ही हमारा परिवार को भी किसी प्रकार की समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने ग्रामीणों कहा कि इसलिए नशा छोड़ें और दूसरे को भी नशा करने से रोके, यह आपकी जिम्मेदारी है। क्योंकि यह आपका अपना ग्राम है। इस कार्यक्रम में ओरछा थाना प्रभारी अभिषेक चौबे आरक्षक राजेश यादव ग्राम गोराताल की सरपंच देवेंद्र यादव एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

विकासखंड स्तरीय तीन दिवसीय गिरी गोवर्धन पूजा महोत्सव

संवाददाता हेमचंद नागेश

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी गरियाबंद जिला ब्लॉक मैनपुर के अंतर्गत परिक्षेत्र कांदाडोंगर खण्ड इकाई मैनपुर दाबरीगुड़ा प्रखण्ड अ के ग्राम पंचायत मुड़गेलमाल में भव्य रूप से मगधा यादव समाज के चारगढ़ यादव समाज ने बड़े हर्षोलास के साथ तीन दिवसीय गिरी गोवर्धन पूजा महोत्सव का आयोजन किया प्रथम दिन दिनांक 26/10/2022 को कलश यात्रा कर कलश स्थापना, मूर्ति स्थापना एवं हरिवंश महापुराण स्थापना किया गया दूसरे दिन 27/10/2022 को 10 बजे से अतिथियों का आगमन हुआ और सभी अतिथियों का आदर पूर्वक यादव समाज के बाना नृत्य के द्वारा अतिथियों का स्वागत कर मंच तक लाया गया सभी अतिथियों ने मंच आने से पहले सभी ने गिरी गोवर्धन जी की पूजा अर्चना किया उसके पश्चात सम्मान संवर्धन एवं उद्बोधन कर कार्यक्रम को गति दिया गया द्य इसी सभा के मुख्य अतिथि के रूप में पधारे श्री डमरूधर पुजारी जी क्षेत्रीय विधायक बिंद्रानवागढ़ रहे , सभा की अध्यक्षता श्री केनुराम यादव चारगढ़ यादव समाज के अध्यक्ष द्वारा किया गया मुख्य प्रवक्ता रहे श्री लंबूधर नियाल सचिव उत्कल यादव समाज, विशेष अतिथि के रूप में पधारे श्री संजय नेताम जी जिला पंचायत उपाध्यक्ष गरियाबंद, श्रीमती धनमती यादव सभापति जिला पंचायत गरियाबंद , श्री हलमन ध्रुवा पूर्व सरपंच दाबरीगुड़ा, श्री रिखीराम यादव,भरत लाल राउत, शंकर प्रसाद जुएड, हलधर यादव, गणेश फोड़, जयकुमार यादव, योगेंद्र यादव, सुशील यादव,बसंत यादव, टेकराम यादव, लिखी भाटी, रघुनाथ यादव, शिवराज यादव,सेवन पुजारी, श्रवण सतपति, एवं जिला नवरंगपुर, कालाहांडी, नुआपड़ा सहित गरियाबंद जिले भर से पधारे यादव समाज एवं अन्य समाज के हजारों लोगों की उपस्थिति में मंच संचालन श्री केशरी खरसेल ने किया एवं अनेकों वक्ताओं ने अपने मधुर वाणी से सभा को संबोधित किया द्वइस सभा में वक्ताओं ने बहुत कम शब्दों में अपनी मुखारविंद से मगधा यादव समाज को समाज विकास, समाज उन्नति, व्यक्ति निर्माण समाज निर्माण, परिवार निर्माण, खान पान रहन सहन, नसा उन्मूलन, कुरीति को दूर करने जैसे कई विषयों पर समाज के लोगों को चर्चा कर दिशा प्रदान किया गया एवं गौवर्धन पूजा किसलिए और क्यूं की जाती है इस विषय पर भी विस्तार पूर्वक लोगों को बताया गया।

संभागायुक्त ने किया मेडिकल कॉलेज, सीएम राइज स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र का भ्रमण

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- संभागायुक्त दीपक सिंह शनिवार को शिवपुरी भ्रमण पर आए और मेडिकल कॉलेज, सीएम राइज स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र का भ्रमण किया। भ्रमण के बाद सतनवाड़ा में आयोजित जन सेवा शिविर में भाग लिया और ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। संभागायुक्त दीपक सिंह ने मेडिकल कॉलेज में अलग-अलग विभागों का निरीक्षण किया और विभागाध्यक्ष से जानकारी ली। भ्रमण के दौरान मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ.के.वी.वर्मा और कलेक्टर श्री अक्षय कुमार सिंह भी साथ में थे।

डीन डॉ.के.वी.वर्मा से मेडिकल कॉलेज की व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की। निरीक्षण करके सभी व्यवस्थाएं देखी।इलाज के लिए आए मरीजों से भी चर्चा की। कॉलेज के निरीक्षण के बाद चिकित्सकों के साथ सभागार में बैठक की।

सीएम राइज स्कूल का भ्रमण

संभागायुक्त ने सीएम राइज स्कूल का निरीक्षण किया। शनिवार को ही सीएम राइज स्कूलों के भूमिपूजन के लिए राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका प्रसारण स्कूलों में भी किया गया। स्कूलों के छात्र छात्राओं ने अभिभावकों के साथ कार्यक्रम का प्रसारण देखा। स्कूलों के छात्र-छात्राओं द्वारा नेटबॉल की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। संभागायुक्त ने पूरी टीम को प्रमाण पत्र प्रदान किए। निरीक्षण करके सभी व्यवस्थाएं देखी। जिला शिक्षा अधिकारी से स्टाफ और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर जानकारी ली।

जनसेवा शिविर में लिया भाग

संभागायुक्त दीपक सिंह ने सतनवाड़ा कला में आयोजित जनसेवा शिविर में भाग लिया और शिविर में आवेदन लेकर आए ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। मौके पर उपस्थित जनपद सीईओ को निर्देश दिए कि विभिन्न योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को मिलना चाहिए। आज शिविर में जो आवेदन प्राप्त हुए हैं संबंधित विभाग उनका समय सीमा में निराकरण करें और जो हितग्राही पात्र नहीं है और जिनके आवेदन अस्वीकार किए जाते हैं उन्हें सूचित भी किया जाए।

जनसेवा अभियान के तहत पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिया जाए- संभागायुक्त

अनिल कुशवाह प्रभारी पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- संभागायक्त दीपक सिंह ने शनिवार को शिवपुरी भ्रमण के दौरान जिला अधिकारियों के साथ बैठक की और जन सेवा अभियान की समीक्षा की। बैठक में शासन द्वारा संचालित पत्रैगशिप योजनाओं की भी समीक्षा की गई। संभागायुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। अभी 17 सितंबर से जनसेवा अभियान चलाया जा रहा है और यह अभियान 31 अक्टूबर तक चलेगा। इस अभियान के तहत पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिया जाए। शासन द्वारा योजनाएं चिन्हित की गई हैं। कोई भी पात्र हितग्राही लाभ से वंचित ना रहे। विभिन्न विभागों के अधिकारी समन्वय से काम करें। अभी तक जो आवेदन प्राप्त हुए हैं उनका निराकरण समय सीमा में करें। अभियान के लिए 31 अक्टूबर तक का समय निर्धारित किया गया है इसलिए अभी कम समय शेष है। इस अवधि में अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण करें। संभाग आयुक्त ने निर्देश दिए हैं जिन आवेदनों को अस्वीकृत किया गया है उसके कारण सहित संबंधित को सूचित किया जाए। जिससे किसी दस्तावेज के कारण यदि आवेदन स्वीकृत नहीं किया गया है तो संबंधित व्यक्ति उसकी पुर्ति करेगा। बैठक में कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, समस्त एसडीएम और विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रदेश में 4 नवम्बर को रोजगार दिवस और एक जिला-एक उत्पाद पर वृहद कार्यक्रम

अनिल कुशवाह प्रभारी पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर इस वर्ष होने वाले 7 दिवसीय आयोजन में 4 नवम्बर को एक जिला-एक उत्पाद प्रदर्शनी के साथ ही रोजगार दिवस कार्यक्रम भी आयोजित किया जायेगा । एमएसएमई विभाग के सचिव श्री पी. नरहरि ने प्रदेश स्तर पर होने वाले कार्यक्रमों के दृष्टिगत सभी कलेक्टर्स को पत्र लिखा है। सचिव श्री नरहरि ने बताया कि जिला मुख्यालयों में होने वाले कार्यक्रम में विभिन्न स्व-रोजगार योजनाओं में वित्तीय वर्ष 2022-23 में जिले में लाभान्वित हुए हितग्राहियों को आमंत्रित कर स्वीकृति और वितरण-पत्र जन-प्रतिनिधियों से दिलवाये जायेंगे। श्री नरहरि ने बताया कि 卐एक जिला-एक उत्पाद卐 से संबंधित गतिविधियों के कार्यक्रम में एमएसएमई विभाग के एक जिला एक उत्पाद वाले ग्वालियर, कटनी, शिवपुरी, रतलाम, विदिशा, सागर तथा छतरपुर जिलों द्वारा उत्पादों की प्रदर्शनी लगायी जायेगी। बायर सेलर मीट का आयोजन किया जायेगा। सफलता की कहानियों का प्रचार और प्रदर्शन भी किया जायेगा। पत्र में उल्लेख है कि प्रदेश के शेष जिलों में एक जिला-एक उत्पाद के संबंधित विभाग के जिला अधिकारी द्वारा उनके विभागीय निर्देशों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी। जिला कलेक्टर के निर्देशन में रूपरेखा निर्धारित कर कार्यक्रम किया जायेगा, जिसमें संबंधित विभागों एवं बैंकों की भागीदारी होगी और जन-प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाएगा।

संभागायुक्त ने किया आंगनवाड़ी केंद्र का भ्रमण, गर्भवती माता को दी किट, कुपोषित बच्चों की जानकारी ली

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजली टुडे

शिवपुरी- संभागायक्त दीपक सिंह ने शिवपुरी भ्रमण के दौरान आदिवासी बस्ती कठमई में आदर्श आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से कुपोषित बच्चों की जानकारी ली और कुपोषण के खिलाफ अभियान चलाकर काम करने के निर्देश दिए। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि दो वर्ष में लगभग 2 हज़ार से अधिक कुपोषित बच्चे कुपोषण की श्रेणी से बाहर आए हैं। और लगातार इस दिशा में काम किया जा रहा है। जिले में शक्तिशाली महिला संगठन और ब्रिटानिया न्यूट्रिशन फाउंडेशन के द्वारा भी आंगनवाड़ी में बच्चों के विकास के लिए समन्वय से काम किया जा रहा है जिसमें शक्तिशाली महिला संगठन एनजीओ द्वारा 76 आंगनवाड़ी में काम किया जा रहा है। कठमई आंगनवाड़ी केंद्र भी उन्हीं में से एक है। एनजीओ से जुड़ी सुपोषण सखी कमलेश जाटव ने स्वनिर्मित सहजन पत्ती के पैकेट के बारे में संभागायुक्त को जानकारी दी कि यह किस प्रकार हमारे स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ने बताया कि कुपोषित बालक छोटू आदिवासी को एनआरसी में भर्ती कराया गया और लगातार उसकी मॉनिटरिंग की गई और अब वह बालक पूरी तरह से स्वस्थ है। संभागायक्त ने आंगनवाड़ी केंद्र में गर्भवती माता को किट प्रदान की। इसके अलावा निर्देश देते हुए कहा कि आंगनवाड़ी केंद्रों में सभी व्यवस्थाएं ठीक रहना चाहिए बच्चों को पोषण आहार समय पर मिलना चाहिए। अर्डाप्ट एन आंगनवाड़ी अभियान के तहत आंगनबाड़ी को गोद लेने का अभियान चलाया गया इस अभियान को और सार्थक बनाया जाए लोगों को आंगनवाड़ी से जोड़ा जाए जिससे आंगनवाड़ी केंद्रों और सशक्त बनें। भ्रमण के दौरान कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी भी मौजूद रहे।

कलयुगी पिता अपनी 12 वर्ष की बच्ची के साथ करता था बलात्कार

राकेश परिहार पुष्पांजली टुडे

पिछोर। खबर जिले के पिछोर अनुविभाग के खनियाधाना थाने की सीमा में आने वाले भोडन गांव से आ रही है कि पडोसी जिला अशोकनगर से मजदूरी करने अपने पिता के साथ आई 12 साल की बालिका का बलात्कार का मामला सामने आया हैं। नींद की गोलियां खिलाकर करीब बीस दिन से पिता यह हरकत कर रहा था। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक 12 साल की पीड़िता ने शुक्रवार को मां व मौसी के संग खनियाधाना थाने आकर पिता के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। दरअसल कुछ दिन पहले ईसागढ़ अनुविभाग के कदवाया थाना क्षेत्र में रहने वाला आदिवासी परिवार मूंगफली खोदने खनियाधाना थाने के भोडन गांव आया है। इसी दौरान 12 साल की बेटी के संग 38 साल का पिता लज्जाभंग करता रहा। मजदूरी करके पीड़िता अपने घर वापस लौटी। चूंकि मां अक्सर बीमार रहती थीए इस कारण शिवपुरी के सुरवाया थाना क्षेत्र स्थित मायके रह रही थी। पीड़िता ने किसी ग्रामीण की मदद से मां को कॉल लगाकर आपबीती बताई। बीमार मां मौसी के संग घर आई और पीड़िता को लेकर खनियाधाना थाने पहुंची।

अस्पताल में मेडिकल कराने के दौरान पिता आया, पुलिस ने पकड़ा

खनियाधाना थाना पुलिस शुक्रवार को अपराध पंजीबद्ध करने के बाद पीड़िता का मेडिकल कराने सरकारी अस्पताल पहुंची। इसी दौरान पिता भी वहां आ गया। उसे पता नहीं था कि पुलिस अपराध पंजीबद्ध कर चुकी है। पुलिस को पता चला तो तुरंत आरोपी पिता को धर दबोचा।

हिंडोरिया शिविर में पहुंचे कलेक्टर

संभागीय ब्यूरो गौरी शंकर कुशवाहा
पुष्पांजली टुडे

हिंडोरिया – हिंडोरिया नगर के वार्ड क्रमांक 14 में मुख्यमंत्री जन सेवा शिविर का आयोजन किया गया जिसमें कलेक्टर एस.क्रष्ण चैतन्य ने स्वयं हिंडोरिया के वार्ड 14 में पहुंच कर जाएजा लिया उन्होंने तहसीलदार और संबंधित अधिकारियों से शिविर संबंधित जानकारी ली इस अवसर पर नायब तहसीलदार राहुल गौंड, नगर परिषद अध्यक्ष हेमेंद्र सिंह,बबलू पटेल, सद्दू बाबू, गोविंद सेन, शिवराज सिंह, आर.आई.सुरेश खटीक, पटवारी संदीप यादव, युवा पत्रकार होशियार चक्रवर्ती, पार्षद प्रतिनिधि अन्नू राजपूत, भाजपा मंडल अध्यक्ष गनेश सिंह,कोदू पटेल , राजू चौरसिया,रवि चौरसिया, लोकेंद्र परिहार,नीरज चक्रवर्ती, रितिक साहू,विशेष रूप से मौजूद रहे

अग्निवीर बनने एमकाम व आइटीआई के छात्रों ने भी लगाई दौड, दो अभ्यर्थी हुए घायल

भोपाल। सेना में भर्ती होकर मातृभूमि की सेवा करने के लिए युवाओं में भारी उत्साह दिखाई दे रहा है। हर दिन नौ जिलों से आने वाले चार से पांच हजार युवाओं में अग्निवीर बनने की होड़ लगी हुई है। मोतीलाल नेहरू स्टेडियम, लाल परेड मैदान में अग्निवीर सेना भर्ती रैली का आयोजन किया जा रहा है। सेना में भर्ती होने के लिए एमकाम, आइटीआई, बीए, बीकाम उत्तीर्ण कर चुके अभ्यर्थी भी दौड़ लगा रहे हैं। शुक्रवार को रैली के दूसरे दिन 315 युवा शारीरिक परीक्षा में पास हुए हैं। जब पास हुए इन युवाओं से नवदुनिया ने बातचीत की तो उन्होंने सेना में जाकर देश की सेवा और परिवार का नाम रोशन करने की बात कही।

दौड़ लगाते समय युवा हुए घायल, भेजा अस्पताल: भर्ती रैली में दौड़ लगाते समय दो युवा घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया गया था। जिला प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार अग्निवीर सेना भर्ती रैली में दौड़ लगाते समय दो युवा घायल हो गए। बैतूल निवासी नवीन के पैर में दौड़ते समय फैक्चर हो गया था। वहीं कुलदीप सिंह चौहान के पैर में भी दौड़ते समय मोच आ गई थी। दोनों ही अभ्यर्थियों को एंबुलेंस के द्वारा उपचार के लिए जेपी अस्पताल भेज दिया था। जहां से उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई है।

रात 12 बजे से शुरू हो जाती है परीक्षण प्रक्रिया: मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में अग्निवीर सैनिकों की भर्ती रैली के दूसरे दिन आए चार हजार 550 आवेदकों को भर्ती प्रक्रिया के लिए काल लेटर जारी किए गए थे। यहां पहुंचे युवाओं की भर्ती प्रक्रिया रात 12 बजे से शुरू हो जाती है। भोपाल सेना के डायरेक्टर बकुडी ने बताया कि सुबह पांच बजे से लंबाई में योग्य पाए युवाओं की दौड़ शुरू हुई। लगभग 200 के ग्रुप में युवाओं को दौड़ हुई, इसमें चयनित 315 युवाओं का मेडिकल के साथ अन्य परीक्षण प्रक्रिया शुरू की गई। सभी मैदान टेस्ट में पास छात्रों को लिखित परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र दिए जाएंगे। लिखित परीक्षा जनवरी 2023 में आयोजित की जाएगी।

आवागमन के लिए की गई है 50 बसों की व्यवस्था: एडीएम संदीप केरकेट्टा ने बताया कि अग्निवीर सैनिक भर्ती रैली में जिला प्रशासन द्वारा सहयोग प्रदान किया जा रहा है। प्रशासन द्वारा युवाओं को स्टेशनों से आने -जाने के लिए 50 बसों की व्यवस्था की गई है, इनमें बैनर लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थियों को ठहरने और कम दर पर भोजन व्यवस्था प्रशासन द्वारा कराई गई है। जो अभ्यर्थी परीक्षा में उत्तीर्ण नहीं होते हैं उन्हें भी बसों के माध्यम से स्टेशन तक पहुंचाने की

हुक्का बार बंद हुए तो डार्क वेब पर नशे का सौदा करने लगे युवा

भोपाल। मध्य प्रदेश में दो अक्टूबर से शुरू हुए नशामुक्ति अभियान में पुलिस ने हुक्का बार पर सख्ती से रोक लगा दी है। स्थानीय ड्रग्स डीलरों और नशे के तस्करों पर शिकंजा भी कसा गया है, लेकिन नशे के शिकार युवाओं और अवैध कारोबारियों ने इसका तोड़ डार्क वेब के रूप में निकाल लिया है।

डार्क वेब पर नशा का सौदा होने की जानकारी साइबर क्राइम पुलिस को मिली है लेकिन इसके सर्वर का व्योरा जुटाना पुलिस टीम के लिए बड़ी चुनौती का काम है। साइबर क्राइम पुलिस मानती है कि डार्क वेब एक ऐसा इंटरनेट माध्यम है, जिसके जरिए ड्रग, हथियार, हैकिंग, टेरर फंडिंग जैसे गैरकानूनी काम होते हैं। प्रारंभिक जांच पड़ताल में पुलिस को जानकारी मिली है कि डार्क वेब के जरिए गांजा समेत नशा का सामान मध्य प्रदेश में हैदराबाद व नेपाल से पहुंचाया जा रहा है।

तीन छात्रों को गिरफ्तार कर चुकी है पुलिस

भोपाल पुलिस पूर्व में तीन छात्रों को गिरफ्तार कर चुकी है। ये निजी इंजीनियरिंग कालेज के छात्र थे, जो डार्क वेब के माध्यम से ड्रग की सप्लाई करने में लगे हुए थे।

यह होता है डार्क वेब

साफ्टवेयर विशेषज्ञ अतुल सिंह ने बताया कि आम तौर पर इंटरनेट की दुनिया का सिर्फ 10 प्रतिशत हिस्सा इस्तेमाल किया जाता है। इसे सरफेस वेब कहते हैं। बाकी का 90 प्रतिशत हिस्सा डार्क वेब है। ये सर्च इंजन पर लिस्टेड नहीं होता है अर्थात यहां चल रहीं वेबसाइट आदि को सीधे सर्च ही नहीं किया जा सकता। डार्क वेब को इस्तेमाल करने के लिए एक खास ब्राउजर की जरूरत होती है। टार जैसे टूल से डीप डाइव कर इस हिस्से तक पहुंचा जा सकता है, जिसे एक्सेस करना भी अवैध है। क्रिमिनल डार्क वेब के जरिए म्यांमार, बांग्लादेश, रूस से लेकर भारत में आनलाइन ड्रग्स तलाश करने वालों की सूची तैयार करते हैं। संपर्क होने के बाद डील पक्की होती है। यहां लेनदेन बिटकाइन में होता है।

ड्रग डील का बड़ा केंद्र बन रहा मप्र

साइबर पुलिस के अनुसार म्यांमार, बांग्लादेश, नेपाल के ड्रग्स माफिया के लिए मप्र ड्रग डील का बड़ा केंद्र बन रहा है। हाल में दिल्ली स्पेशल सेल ने अफगानिस्तानी पैडलर के पूरे नेटवर्क का खुलासा किया था। उसके जरिए मप्र में नशा का सौदा होने की जानकारी मिली थी। उसने नशे के लिए इस्तेमाल होने वाली ट्रामेफ-पी, स्पास्मो प्रोक्सीवोन प्लस जैसी मेडिसिन का आर्डर भोपाल से मिलने की जानकारी दी थी।

मैंने नशा न किया है ना करूंगा और नशे का हमेशा विरोध करूंगा- जिला पंचायत उपाध्यक्ष दरयाव सिंह कुर्मी

नवांकुर संस्था की सेक्टर मीटिंग का गरेठा में हुआ आयोजन

सिरोंज - रिपोर्टर अभिषेक कुशवाह

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा चयनित नवांकुर संस्था जन कल्याण समाज सेवा समिति गरेठा के द्वारा प्रस्फुटन समिति की सेक्टर बैठक गरेठा की पंचायत भवन में रखी गई, जिसमें कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत उपाध्यक्ष दरयाव सिंह कुर्मी ने कहा कि मैं ना तो नशा करता हूं और ना ही नशा करूंगा एवं मेरे द्वारा सदैव नशे का विरोध किया जाता है , वही विकासखंड समन्वयक चरण सिंह दांगी ने परिषद की अनेक योजना से सभी को अवगत कराया जिसमें कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजन से किया गया इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत उपाध्यक्ष दरयाव सिंह कुर्मी, सरपंच प्रतिनिधि हेमंत राजपूत, विकासखंड समन्वयक चरण दांगी , नव अंकुर प्रतिनिधि रामचरण कुर्मी ,मेंटर्स दिनेश शाक्य ,रामबाबू कुशवाह ,फिरदोस खान सहित अन्य लोग उपस्थित रहे 7

मध्यभारतीय हिन्दी साहित्य सभा एवं अखिल भारतीय साहित्य परिषद् के संयुक्त से दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ प्रारम्भ

महेंद्र शर्मा, उपसंपादक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। राम चरण रुचिर प्रचार प्र.मं. मध्यभारतीय हिन्दी साहित्य सभा ग्वालियर(म.प्र.) से प्राप्त जानकारी अनुसार मध्यभारतीय हिन्दी साहित्य सभा ग्वालियर (अखिल भारतीय साहित्य परिषद् से सम्बद्ध) एवं अखिल भारतीय साहित्य परिषद् के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय संगोष्ठी 29 अक्टूबर 2022, को प्रातः 10 बजे विवेकानंद सभागार, राष्ट्रोत्थान न्यास, माधव महाविद्यालय के सामने, नई सड़क , लश्कर, ग्वालियर में प्रथम दिवस उद्घाटन सत्र एवं सत्र सहित अन्य कार्यक्रम आयोजित किए गए 7

जीवन साफल्य का प्रतीक ~ यात्रा साहित्य विषय पर भारत के विभिन्न प्रांतों से लगभग पचास से अधिक आमंत्रित अतिथि एवं हिन्दी के मूर्धन्य विद्वान तथा साहित्य के लिए समर्पित ग्वालियर के स्थानीय साहित्य मनीषियों इस आयोजन में आज उद्घाटन सत्र एवं विभिन्न चर्चा सत्रों में केंद्रीय विषय पर मंथन किया गया 7 राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन सत्र प्रातः 10 बजे प्रारम्भ हुआ, जिसके मुख्यातिथि ग्वालियर के कलेक्टर आद. डॉ. कौशलेन्द्र विक्रम सिंह जी, (आई. ए. एस.), मुख्यवक्ता अखिल भारतीय साहित्य परिषद् के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्रीधर पराड़कर रहे 7 डॉ कुमार संजीव ,सभा अध्यक्ष, मध्य भारतीय हिंदी साहित्य सभा एवं दिनेश पाठक, सभा उपाध्यक्ष विशेष रूप से मंचासीन रहे रहे। प्रारंभ में अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर किया। सरस्वती वंदना अर्चना अर्पण ने एवं परिषद गीत एकता गोस्वामी ने सुमधुर स्वर में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के संदर्भ में भूमिका एवं विषय प्रवर्तन दिनेश पाठक ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने कहा, साहित्यकार को अपनी यात्रा साहित्य में मुख्य बातों को उल्लेखित करना चाहिए ,क्योंकि उन्होंने कहा, सार सार को गहि रहे थोथा देई उड़ाय। भारतीय संस्कृति में अनेक यात्राओं का वर्णन हुआ है ।जैसे कैलाश मानसरोवर यात्रा, साहित्य का महत्व एवं तत्वज्ञान के प्रबोधक है। यात्रा में यात्री साहित्यकार व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं चलते हैं । जैसे भगवान राम ने कहा था पिता दीन्ह मोहि कानन राजू, लोक हितकारी यात्रा का ही रूप है। श्री कृष्ण के जीवन से भी कहीं कई उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा दोनों गायों को चराने और अन्य जगह विचरण करने का उद्देश्य भी लोकहित का प्रतीक है।विदेश यात्रा का ही होता है। साहित्यकार के विषय पर उन्होंने कहा, कोई राजा राज्य स्थापित करता है, तो वह लोगों की संस्कृति व साहित्य को जीत नहीं सकता, सनातन अध्यक्ष परंपरा को जोड़ने का प्रयास किया जाता है। संसृकृति को जोड़ने की परंपरा भारत की प्राचीन परंपरा है, यात्रा साहित्य में दृष्टिकोण देती है ,कैलाश मानसरोवर यात्रा महत्त्व ज्ञान तत्व का प्रतीक है। प् पूरी यात्री में साहित्यकार व्यक्तिगत न चलकर सामाजिक लाभ के साथ चलते हैं। मुख्य वक्ता के रूप में श्रीधर पराड़कर ने कहा शिवाजी महाराज की यात्रा बहुत ही सराहनीय रही। आगरा से समुद्र तक की यात्रा 2000 किलोमीटर सराहनीय रही। स्वामी विवेकानंद की यात्रा ने तो उनका जीवन ही बदल दिया। कबीर का साहित्यिक जीवन एक यात्रा के रूप में है, उन्होंने कहा कबीरा हम पैदा हुए जग हंसे हम रोए, उन्होंने अनेक उदाहरण प्रस्तुत किए ऐसी करनी कीजिए हम हंसे जग रोए। उद्घाटन सत्र का संचालन डॉ . करुणा सक्सेना ने किया।उद्घाटन सत्र में उपरान्त संगोष्ठी के प्रथम दिन तीन चर्चा सत्र एवं सायंकाल 5 बजे इसी सभागार में अखिल भारतीय एवं स्थानीय संयुक्त कवि सम्मेलन भी आयोजित किया गया 7 राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन दिनांक 30 अक्टूबर 2022, रविवार को प्रातः 9 बजे से चार सत्र आयोजित होंगे एवं शाम 4 बजे इसी स्थान पर समापन समारोह भी आयोजित होगा। कार्यक्रम में वरिष्ठ साहित्यकार में मुरारी लाल गुप्त गीतेश, राजकिशोर वाजपेई , डॉ.लखनलाल खरे,धीरज शर्मा ,सभा मंत्री, उपेंद्र कस्तूरे ,सहमंत्री, राम चरण रुचिर , प्रचार प्रसार मंत्री, डॉ . मंदाकिनी शर्मा, साहित्य मंत्री, डॉ. लोकेश तिवारी , डॉ . लोकेश तिवारी पुस्तकालय मंत्री, दिलीप मिश्रा , अनेक साहित्यकार भारी संख्या में उपस्थित रहे।

टीकमगढ़ के खरगापुर में बनेगा सीएम राइज स्कूल,मुख्यमंत्री ने किया वर्चुअली भूमि पूजन, विधायक बोले- अब स्मार्ट तरीके से पढ़ाई करेंगे गांव के बच्चे

पुष्पांजलि टुडे
संवाददाता सुनील कुमार अहिरवार

टीकमगढ़ के नगर परिषद खरगापुर के शासकीय एक्सीलेंस बालक हायर सेकेंडरी सीएम राइज स्कूल का शनिवार को मुख्यमंत्री चौहान ने वर्चुअली भूमि-पूजन किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने ऑनलाइन कहा कि खरगापुर के बच्चे भी प्रतिष्ठित निजी स्कूलों जैसे सुविधाजनक परिसर में बैठकर स्मार्ट पढ़ाई करेंगे। दरअसल मुख्यमंत्री ने शनिवार को इन्दौर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से वर्चुअल रूप से सीएम राइज स्कूल का भूमि-पूजन किया। सीएम ने खरगापुर सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों में 2519 करोड़ 12 लाख रुपए की लागत से बनने जा रहे 69 सीएम राइज स्कूलों का वर्चुअली भूमि-पूजन किया। खरगापुर में आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय विधायक राहुल सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष अमित नुना, एसडीएम बल्देवगढ़ सौरभ मिश्रा, तहसीलदार एके गुप्ता, जिला शिक्षा अधिकारी, जनपद पंचायत सीईओ सहित संबंधित अधिकारी, स्कूली बच्चे और उनके अभिभावक मौजूद रहे।

अवैध रूप से हो रही गैस रिफिलिंग, वैन जलकर खाक

जबलपुर। संजीवनी नगर पुलिस चौकी के समीप ही अवैध रूप से एलपीजी गैस रिफिलिंग हो रही थी इसी दौरान हादसा हुआ और आग की लपटे उठने लगी। कुछ देर में ही वैन आग में जलकर खाक हो गई। इस दौरान वैन मालिक भी मामूली रूप से झुलस गया। मामले में गढ़ा थाना पुलिस ने वैन चालक पर प्रकरण दर्ज कर लिया है। गढ़ा पुलिस ने बताया कि संजीवनी नगर बुधौलिया अस्पताल के सामने रहने वाला सुनील पटेल गुरुवार रात अपनी वैन एमपी 20 बीए 0124 में अवैध रूप से एलपीजी की रिफिलिंग कर रहा था।

उपायुक्त आवास में पूरी श्रद्धा से मनाई जा रही है लोक आस्था का महापर्व छठ

खरना प्रसाद का किया जा रहा है वितरण, उपायुक्त के पति समेत पूरा परिवार हुए एकत्रित

पुष्पांजली टुडे

हजारीबाग। छठ पर्व सूर्यदेव और छठी मैया को समर्पित होता है। चार दिनों तक चलने वाला यह महापर्व पूरे विधि-विधान के साथ मनाया जाता है। छठ महापर्व का पहला दिन कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है। उपायुक्त नैंसी सहाय के आवास में इस वर्ष लोक आस्था के महापर्व छठ मनाई जा रही है। उपायुक्त की सासू मां श्रीमती मंजू शर्मा चार दिनों तक चलने वाले छठ पूजा कर रहीं है। छठ पूजा में उपायुक्त का पूरा परिवार माता पिता एवं पति श्री वरुण रंजन समेत सभी परिवार सम्मिलित हुए है। उपायुक्त की सासू मां नहाने और खाने से लेकर सुबह के अर्घ्य तक वे पूरी निष्ठा के साथ इस व्रत का पालन कर रही हैं। आज सुबह से ही उपायुक्त के आवास में खरना एवं प्रसाद वितरण की तैयारी जोरों शोरों से की जा रही है। छठ पर्व को लेकर उपायुक्त आवास सज धज कर तैयार है।

श्री महाकाल लोक की तर्ज पर सलकनपुर मंदिर के लिये भी प्रस्ताव रखें : मुख्यमंत्री चौहान

मुख्यमंत्री ने सलकनपुर मंदिर के विस्तारीकरण और विकास कार्यों की समीक्षा की

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अधिकारियों से कहा है कि सलकनपुर में विजयासन माता की कृपा से जो काम चल रहे है, उन्हें जारी रखते हुए महाकाल लोक की तर्ज पर माता के शास्त्र सम्मत सभी स्वरूपों के श्रद्धालु दर्शन कर सकें ऐसा नया प्रस्ताव भी प्रस्तुत करें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने शुक्रवार को सलकनपुर मंदिर परिसर का अवलोकन करने के बाद मंदिर के निर्माण और विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को यह निर्देश दिए। सांसद रमाकांत भार्गव, सलकनपुर ट्रस्ट के अध्यक्ष महेश उपाध्याय और सदस्य उपस्थित थे। मुख्यमंत्री के समक्ष वर्तमान निर्माणाधीन कार्यों का प्रजेंटेशन भी किया गया। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि विद्वान, पंडित और शास्त्रियों से चर्चा की जाए, जिससे सभी कार्य धर्म और विधि सम्मत हो। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि उनका विचार है कि माता के देश भर में स्थापित 52 शक्ति पीठों के चित्र रूप में दर्शन और कथा दीवारों पर उकेरी जाए।इसी तरह माता विजयासन की सभी 6 बहिन और माता के नौ रूप भीत्ति चित्र या अन्य कलात्मक रूप से चित्रित किये जाएँ। मुख्यमंत्री ने कहा कि परिसर में दुर्गा सप्तशती महात्म की कथा भी उकेरी जा सकती है। उन्होंने इस बात का विशेष ध्यान रखने के लिए कहा कि पूजा पूर्व अनुसार ही विजयासेन माता की ही हो। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि माता के मंदिर तक श्रद्धालुओं के आवागमन के लिए पृथक-पृथक मार्ग बनाने के साथ ही रोप-वे से यात्रियों की संख्या और फेरे बढ़ाने के प्रयास किए जाएँ। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि पूरे परिसर में होने वाले निर्माण के कुल क्षेत्र की जानकारी संकलित कर दो-तीन सप्ताह में नया प्लान प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि नवंबर के अंतिम सप्ताह में फिर बैठक होगी। सलकनपुर तक के पहुँच मार्ग आदि के लिए भी निर्देश दिए गए। बैठक में वन, संस्कृति, लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव एवं सचिव, संभागायुक्त, आईजी सहित अधिकारी मौजूद थे।

दलित महिला उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं करेंगे ~ माकपा

महेन्द्र शर्मा, उपसंपादक पुष्पांजली टुडे

मालनपुर-भिंड। माकपा कार्यकर्ताओं ने मालनपुर थाना प्रभारी को जिलेभर में बढ़ती हुई दलित एवं महिला उत्पीड़न की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए जिला कलेक्टर के नाम एक ज्ञापन सौंपा। माकपा नेताओं ने ज्ञापन के माध्यम से मांग की कि रामगढ़ की नेहा जाटव के हत्यारों को तत्काल गिरफ्तार किया जाए। भिंड के पास दबोहा मैं पीड़ित परिवार को सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए। मालनपुर में कोक सिंह माहौर? के हत्यारों को तत्काल गिरफ्तार किया जाए। मकाटा निवासी कल्याण जाटव की भिंड कोतवाली में एफ आई आर करवाई जाए। माकपा जिला सचिव मंडल सदस्य वीरेंद्र सिंह कुशवाह एवं सीटू जिला उपाध्यक्ष देवेंद्र शर्मा ने संयुक्त रूप से कहा जिले में दलित महिला उत्पीड़न की घटनाएं लगातार बढ़ रही है। प्रदेश की भाजपा सरकार एवं उसकी पुलिस दलितों एवं महिलाओं पर बढ़ते अपराध रोकने में नाकामयाब नाकामयाब रही है। माकपा नेताओं ने चेतावनी देते हुए कहा , यदि जिले में दलित एवं महिलाओं पर अपराध नहीं रुके तो माकपा सड़कों पर लड़ाई लड़ेगी। ज्ञापन देने वालों में किसान नेता नारायण शर्मा, महिला नेता अनीता गोस्वामी, बल्ली बाथम, राजेंद्र सिंह कुशवाह, श्रीलाल माहौल, त्रिलोक सिंह कुशवाह, श्रीमती शीला माहोर, कल्लू सिकरवार, विकास जाटव, राकेश माहोर, लक्ष्मी जाटव, रणवीर सिंह कुशवाह आदि मौजूद थे।

कन्नड़ फिल्म अभिनेता दिवंगत डॉ. पुनीत राजकुमार की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन

पुष्पांजली टुडे

मैसूरु. रक्तदान महादान गौभक्त संगठन ट्रस्ट,यूथ फॉर सेवा, ह्यूमन टच, माई मैसूरु के संयुक्त तत्वावधान में आज कन्नड़ फिल्म अभिनेता दिवंगत डॉ.पुनीत राजकुमार की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर जीवधारा रक्त कोष परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया द्य सर्वप्रथम दिवंगत डॉ.पुनीत राजकुमार की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई द्य उनके द्वारा किए गए जनहित कार्यों का गुणगान किया गया द्य बाद में ऑटो रिक्शा चालकों को गणवेश के तहत खाकी कमीज दिए गए द्य इस अवसर पर कन्नड़ फिल्म निर्देशक अभिषेक, रोटरी क्लब बनूर के पूर्व अध्यक्ष समाजसेवी डॉ .महेंद्र सिंह राजपुरोहित,दशहरा वस्तु प्रदर्शनी मैदान प्राधिकरण के अध्यक्ष मिलें श्रीनिवास गौड़ा,जीवधारा रक्त कोष के निदेशक एस.ई.गिरीश,रक्तदान महादान गौभक्त संगठन ट्रस्ट के अध्यक्ष देवेंद्र परिहारिया,सदस्य बगदाराम कुमावत,चिरंजीलाल कुमावत, विकास राठौड़,आनंद मंडोत सहित बड़ी संख्या में प्रशंसक उपस्थित रहे लिए

छठ पूजा एक त्योहार नहीं, संस्कार है- माधुरी शाही

छठ पूजा हमारी सभ्यता और संस्कृति से जुड़ा त्योहार है जो हमें समानता और एकता का संदेश देता है. ये एक त्योहार नहीं, हमारा संस्कार है -अनिल शाही

पुष्पांजली टुडे

(गोपालगंज,भोरे)= चार दिवसीय लोक आस्था के महापर्व छठ के दूसरे दिन यानी शनिवार को खरना पूजा की जा रही है। छठ व्रती महिलाएं अपने घरों में खरना पूजा में जुटी हुई हैं। महिलाओं ने खरना पूजा में खीर और पूड़ी बनायी है। देर शाम खरना की पूजा पूरे विधि - विधान से होगी। जिसके बाद रविवार को छठ व्रत के तीसरे दिन सांध्य कालीन सूर्य की उपासना की जाएगी। फिर चौथे दिन उदीयमान सूर्य की पूजा के साथ छठ पूजा संपन्न होगी। झारखंड व अन्य जिलों के घरों में भी छठ व्रती पूजा कर रही हैं और खरना का प्रसाद बना रही हैं. छठ व्रती महिलाएं इस दौरान छठ मैया के लोकगीत भी गा रही हैं. खरना प्रसाद बना रहीं माधुरी शाही पति अनिल कुमार शाही ने बताया कि सुबह से ही खरना पूजा की तैयारी कर ली गई है। पहले खीर और फिर पूड़ी बनाई जाएगी. बाद में देर शाम को खरना की पूजा करेंगी. उन्होंने कहा कि इस बार छठ पर्व पर परिवार की सलामती के साथ-साथ निरोग रहने के साथ संक्रमण व अन्य बीमारियों के खात्मे की भी कामना कर रही हैं. वहीं छठ कर रही माधुरी शाही ने कहा कि पिछले दो वर्षों से कोरोना का प्रकोप ज्यादा होने से उत्साह में कमी आया था और पूजा को भी सीमित रूप में किया गया था. लेकिन अब कोरोना का खात्मा हो चुका है तो इसके पूरी तरह से खत्म होने के लिए वो अपने परिवार के साथ-साथ समाज की भलाई की भी कामना करेंगी।

छठ महापर्व के दूसरे दिन बनता है खरना का प्रसाद

बता दें कि छठ महापर्व के तीसरे दिन व्रतधारी अस्ताचलगामी सूर्य को नदी और तालाब में खड़े होकर फल और कंद मूल से प्रथम अर्घ्य अर्पित करते हैं. फिर छठ के चौथे और अंतिम दिन नदियों और तालाबों में व्रतधारी उदीयमान सूर्य को दूसरा अर्घ्य देते हैं. दूसरा अर्घ्य अर्पित करने के बाद ही श्रद्धालुओं का 36 घंटे का निराहार व्रत समाप्त होता है और वो अन्न-जल ग्रहण करते हैं।

प्रथम पुण्य स्मरण

शत शत नमन।

साकेत गमन 4.11. 2021 साकेत वाहिनी। स्वर्गीय श्री रामकली जोशी (स्मृतिरत पुत्रगढ़) दशरथ जोशी , शिव मोहन जोशी ,सतीश जोशी मनोज जोशी, आर.के जोशी(अधिवक्ता) उच्च न्यायालय खंडपीठ ग्वालियर।

स्मृतिरत नाती

आशीष जोशी, हिमांशु जोशी ,दीपक जोशी, अनिकेत जोशी, राजा जोशी ,आदेश जोशी ,प्रिंस जोशी प्रतिष्ठान~ लाल बत्ती सरकार फाउंडेशन भिंड 2. एलबीएस इंडस्ट्रीज इटावा रोड भिंड 3. स्काईलाइन रिजॉर्ट बदरवास जिला शिवपुरी 4.शिव ट्रेडर्स जोशी नगर इटावा रोड भिंड 5. सतीश जोशी ट्रेडर्स इटावा उत्तर प्रदेश

दो महीने में हो जाएंगे विभाग शिफ्ट फिर हजार बिस्तर में मिलेगा मरीजों को उपचार

ग्वालियर। जयारोग्य अस्पाल की पत्थर वाली बिल्डिंग में मेडिसिन वार्ड, नेत्र विभाग,सर्जरी वार्ड, आर्थो वार्ड,आपरेशन थिएटर, एनेस्थीसिया विभाग संचालित हो रहा है। इसके साथ ही पत्थर वाली बिल्डिंग के सामने आइसीयू संचालित हो रहा है। यह सभी वार्ड हजार बिस्तर अस्पताल में शिफ्ट किए जाने हैं। लेकिन हजार बिस्तर में जबतक आपरेशन थिएटर चालू नहीं होता तबतक आर्थो व सर्जरी विभाग शिफ्ट नहीं हो सकता। हजार बिस्तर के मेडिसिन आइसीयू में जबतक वेंटिलेटर, बेड आदि नहीं पहुंचते और पूरी मशीनरी की एक बार फाइनज जांच नहीं हो जाती और आक्सीजन सप्लाई ठीक से हो रही या नहीं इसका पता नहीं चलता तबतक मरीज नहीं रखे जा सकते। इस सब में करीब दो महीने का वक्त लगेगा। 1500 बेड के अस्पताल में अभी न तो वार्ड तैयार हो सके न आपरेशन थिएटर व आइसीयू तैयार है। कोविड के समय में बेड व वेंटिलेटर सहित जो सामान जेएएच को मिला था वह सामान हजार बिस्तर अस्पताल तो पहुंचा दिया गया। लेकिन यह सामान अभी वार्ड व आइसीयू तक नहीं पहुंच सका। इसी तरह से आपरेशन थिएटर भी मशीन आदि नहीं पहुंच सकी। आपरेशन थिएटर के लिए ओटी टेबल की खरीद होना है। जिसके लिए आर्डर लगा दिए गए लेकिन सामान की उपलब्धता भोपाल से नहीं हो सकी। जिसे आने में एक महीने का वक्त लग सकता है। हजार बिस्तर अस्पताल भले ही सुपुर्द ले लिया हो। लेकिन अभी मरीज रखने के लिए साधन संसाधनों की उपलब्धता पूरी तरह से नहीं हो सकी। भले ही गजराराजा मेडिकल कालेज के डीन 15 अक्टूबर तक जेएएच खाली कर हजार बिस्तर में विभाग शिफ्ट करने के निर्देश दिए हैं। लेकिन शिफिटंग होने में अभी दो महीने का वक्त् लगेगा। क्योंकि आपरेशन थिएटर में ओटी टेबल तक उपलब्ध नहीं है और मेडिसिन वार्ड शिफ्ट करने की फिलहाल कोई तैयार नहीं है। यह माना जा रहा है कि दिसंबर के आखिर तक ही जेएएच में संचालित होने वाले विभाग शिफ्ट हो सकेंगे और उसके बाद ही मरीजों को भर्ती कर उपचार दिया जा सकेगा। फिलहाल सभी विभागों ने हजार बिस्तर अस्पताल में जिन स्थानों पर विभाग संचालित होंगे उसका निरीक्षण कर लिया है। अब शिफ्टिंग की तैयारियां जल्द शुरू की जाएंगी जिसके लिए जेएएच अधीक्षक द्वारा भी पत्र जारी किया जा चुका है।

सिविल अस्पताल व जिला अस्पताल का आइसीयू बंद,मरीज परेशान

ग्वालियर। सिविल अस्पताल व जिला अस्पताल में तैयार आइसीयू पर ताला डला हुआ है। लाखों रुपये खर्च होने के बाद भी आइसीयू का लाभ मरीजों को नहीं मिल पा रहा है। इन अस्पतालों में पहुंचने वाले गंभीर मरीजों को जेएएच के लिए रेफर कर दिया जाता है। जिस कारण से जेएएच में मरीजों को आइसीयू में बेड भी नसीब नहीं हो रहा और जमीन पर लेटकर उपचार ले रहे हैं।शासकीय अस्पतालों में भले ही तमाम संसाधन जुटाए जा रहे हैं। लेकिन जिम्मेदारों की अदेखी और चिकित्सकों की मानमानी के कारण करोड़ों के उपकरण धूल खा रहे हैं। जिस कारण मरीजों को स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए परेशान होना पड़ रहा है। जिसका उदाहरण जिला अस्पताल व सिविल अस्पताल ही है। जहां गंभीर मरीजों को भर्ती करने के लिए तमाम संसाधन तो जुटाए जा चुके हैं, लेकिन मरीजों को लाभ नहीं मिल रहा है। दरअसल सिविल अस्पताल में कोरोना संक्रमण के दौरान दस प्लंग का आईसीयू बनवाया गया है, जिसमें करीब 10 वेन्टीलेटर सहित ऑक्सीजन सप्लाई तक उपलब्ध है। लेकिन उक्त आईसीयू को बने डेढ़ वर्ष से अधिक बीत जाने के बाद भी आज दिन तक शुरू नहीं किया गया। इतना ही नहीं अस्पताल में मरीजों को ऑपरेशन सुविधा मिल सके। इसके लिए अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटर ब्लॉक भी बनाया गया है। जिसमें जनरल सर्जरी, आर्थोपेडिक व इंपलटी के लिए तीन ऑपरेशन थिएटर भी बनाए गए हैं। लेकिन ऑपरेशन की सुविधा भी मरीजों को नसीब नहीं हो पा रही है। क्योंकि यहां के चिकित्सकों का कहना है कि जब तक उन्हें स्टाफ नहीं मिल जाता तब तक यह सुविधाएं मरीजों के लिए शुरू नहीं की जा सकती। इसके अलावा अस्पताल में पर्याप्त चिकित्सक भी उपलब्ध है। लेकिन काम से बचने के चक्कर में अस्पताल प्रबंधन उक्त सुविधाओं को मरीजों के लिए शुरू ही नहीं करना चहता। अस्पताल में सेन्ट्रल ऑक्सीजन सप्लाई के लिए ऑक्सीजन प्लांट भी लगाया गया है, जिससे आवश्यकता पडऩे पर मरीजों को ऑक्सीजन दी जा सके।

स्मार्ट सिटी के बस टर्मिनल की जगह पर भरा पानी, रुकी काम की रफ्तार

ग्वालियर। ग्वालियर स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट कार्पोरेशन द्वारा 54 करोड़ 43 लाख रुपए की राशि से प्रस्तावित इंटर स्टेट बस टर्मिनल के निर्माण स्थल पर पानी भर गया है। यहां टर्मिनल के निर्माण के लिए खुदाई की गई थी, लेकिन पिछले दिनों आई वर्षा का पानी इन गड्ढों में भर गया। इसके चलते काम की रफ्तार रुक गई है। स्मार्ट सिटी सीईओ नीतू माथुर ने नगर निगम की सहायता से इस पानी की निकासी के निर्देश दिए हैं।

पिछले दिनों केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी सहित मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर व ज्योतिरादित्य सिंधिया की मौजूदगी में आईएसबीटी परियोजना का शिलान्यास किया गया था। हजीरा थाना के समीप लगभग 25 एकड़ भूमि में बनने वाले अंतर्राजीय बस टर्मिनल की परियोजना स्मार्ट सिटी मिशन के ट्रांजिट ऑरीएंटेड डेवलपमेंट के अंतर्गत ग्वालियर स्मार्ट सिटी की एक महत्वपूर्ण परियोजना है। आईएसबीटी का स्वरूप हेरिटेज थीम पर आधारित होगा तथा इसका निर्माण ग्रीन बिल्डिंग कॉन्सेप्ट के तहत किया जाएगा। ऊर्जा बचत, जल संरक्षण, प्राकृतिक प्रकाश जैसे ग्रीन घटक इसके निर्माण में अहम भूमिका निभाएँगे। इस बस टर्मिनल में जन सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाएगा। इस परियोजना में सार्वजनिक शौचालय, दिव्यांगजनों की सुगमता के लिए बाधारहित पथ, सुव्यवस्थित आगमन व प्रस्थान स्थल, बस चालकों के लिए विश्राम कक्ष, निजी वाहन, ऑटो, कैब व टैक्सी इत्यादि के लिए पिक एंड ड्रॉप लेन तथा पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था व बसों के लिए वर्कशॉप क्षेत्र का प्रावधान रहेगा। अंतरराज्यीय बस टर्मिनल (आईएसबीटी) के निर्माण की जिम्मेदारी प्रिगमेटिक इंफ्रास्ट्रेक्चर कंपनी को दी गई है। वर्क आर्डर जारी होने की तिथि से 18 महीने में कंपनी को आईएसबीटी बनाकर देना होगा। कंपनी को यह काम 54.43 करोड़ में करना होगा। जबकि टेंडर 54.80 करोड़ रुपए का लगाया गया था। पानी भरने की समस्या का निदान नहीं होने से कंपनी ने भी काम की गति रोक दी थी, लेकिन अब सीईओ नीतू माथुर ने सख्ती दिखाते हुए इस कार्य को तेजी से करने के लिए कहा है।

जीवजी विश्वविद्यालय में ऑल इंडिया एकाउंटिंग की कॉन्फ्रेंस शुरु

ग्वालियर! जीवजी विश्वविद्यालय की वाणिज्य एवं व्यवसाय अध्ययनशाला एवं भारतीय लेखा परिषद ग्वालियर शाखा द्वारा दो दिवसीय ऑल इंडिया एकाउंटिंग कांफ्रेस का आयोजन किया जा रहा है ! आज से जीवजी यूनिवार्षिटी के अटल सभागार में यह कांफ्रेस शुरू हो गई है इसमें पूरे देश से एक हजार से अधिक प्रतिभागी भाग ले रहे है ! कांफ्रेस के शुभारंभ में मुख्य अतिथि के रूप में ऊर्जा मंत्री प्रधुम्न सिंह तोमर मौजूद रहे कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति अविनाश तिवारी ने की कार्यक्रम में अपने उधबोधन में ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि आप लोग देश को चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है वही आज की युवा पीढ़ी का भविष्य निर्माण करते है !

संभागायुक्त ने किया मेडिकल कॉलेज, सीएम राइज स्कूल एवं आंगनबाड़ी केंद्र का भ्रमण

ग्वालियर। संभागायुक्त दीपक सिंह शनिवार को शिवपुरी भ्रमण पर आए और मेडिकल कॉलेज, सीएम राइज स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र का भ्रमण किया। भ्रमण के बाद सतनवाड़ा में आयोजित मुख्यमंत्री जन सेवा शिविर में भाग लिया और ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। संभागायुक्त दीपक सिंह ने मेडिकल कॉलेज में अलग-अलग विभागों का निरीक्षण किया और विभागाध्यक्ष से जानकारी ली। भ्रमण के दौरान मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ.के.वी.वर्मा और कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह भी साथ में थे। डीन डॉ.के.वी.वर्मा से मेडिकल कॉलेज की व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की।

बेरजा क्षेत्र के 28 गाँवों के बच्चे प्रतिष्ठित निजी स्कूलों जैसे सुविधायुक्त सीएम राइज स्कूल में करेंगे पढ़ाई

ग्वालियर।

जिले के विकास खण्ड मुरार के ग्राम बेरजा व उसके 15 किलोमीटर के दायरे में बसे 28 गाँवों के बच्चे प्रतिष्ठित निजी स्कूलों जैसे सुविधाजनक परिसर में बैठकर स्मार्ट पढ़ाई करेंगे। बेरजा में लगभग 32 करोड़ रुपए की लागत से सीएम राइज स्कूल बनने जा रहा है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को इन्दौर में आयोजित हुए राज्य स्तरीय कार्यक्रम से वर्चुअल रूप से और उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) भारत सिंह कुशवाह ने मौके पर मौजूद रहकर ग्वालियर जिले के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेरजा का भूमि-पूजन किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बेरजा सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों में 2519 करोड़ 12 लाख रूपये की लागत से बनने जा रहे 69 सीएम राइज स्कूलों का वर्चुअल भूमि-पूजन किया। राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह ने सीएम राइज स्कूल के भूमिपूजन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यदि वर्तमान में ही अच्छे ढंग से भविष्य की नींव रखी जाए तो निश्चित ही प्रगति और तरक्की होती है। इसी भाव के साथ मुख्यमंत्री श्री चौहान की पहल पर प्रदेश सरकार द्वारा सीएम राइज स्कूल खोले जा रहे हैं। इन विद्यालयों में आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को उच्च गुणवत्तायुक्त शिक्षा मिलेगी। श्री कुशवाह ने कहा सीएम राइज स्कूलों में स्मार्ट तरीके से बच्चों को शिक्षा दी जाएगी। इन स्कूलों में आधुनिक प्रयोगशाला, कम्प्यूटर लेब, स्मार्ट क्लॉस, पुस्तकालय की सुविधा के साथ कला, संगीत, खेल-कूद और व्यवसायिक शिक्षा भी उपलब्ध कराई जाएगी। बच्चों को उनके गाँव से स्कूल तक लाने और वापस घर तक पहुंचने के लिए सरकार बस सुविधा भी मुहैया कराएगी। बेरजा में आयोजित हुए सीएम राइज स्कूल के भूमिपूजन कार्यक्रम में जनपद पंचायत मुरार के अध्यक्ष श्री दिलराज सिंह किरार सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण तथा कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह,जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आशीष तिवारी, जिला शिक्षा अधिकारी श्री कटियार, एसडीएम श्री अशोक चौहान व जनपद पंचायत के सीईओ श्री राजीव मिश्रा समेत अन्य संबंधित अधिकारी व बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे और उनके अभिभावक मौजूद थे।

संभागायुक्त श्री सिंह ने किया आंगनवाड़ी केंद्र का भ्रमण, गर्भवती महिलाओं को दी किट कुपोषित बच्चों की जानकारी ली

ग्वालियर। संभागायक्त दीपक सिंह ने शिवपुरी भ्रमण के दौरान आदिवासी बस्ती कठमई में आदर्श आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से कुपोषित बच्चों की जानकारी ली और कुपोषण के खिलाफ अभियान चलाकर काम करने के निर्देश दिए। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि दो वर्ष में लगभग 2 हज़ार से अधिक कुपोषित बच्चे कुपोषण की श्रेणी से बाहर आए हैं। और लगातार इस दिशा में काम किया जा रहा है। जिले में शक्तिशाली महिला संगठन और ब्रिटानिया न्यूट्रिशन फाउंडेशन के द्वारा भी आंगनवाड़ी में बच्चों के विकास के लिए समन्वय से काम किया जा रहा है जिसमें शक्तिशाली महिला संगठन एनजीओ द्वारा 76 आंगनवाड़ी में काम किया जा रहा है। कठमई आंगनवाड़ी केंद्र भी उन्हीं में से एक है। एनजीओ से जुड़ी सुपोषण सखी कमलेश जाटव ने स्वनिर्मित सहजन पत्ती के पैकेट के बारे में संभागायुक्त को जानकारी दी कि यह किस प्रकार हमारे स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ने बताया कि कुपोषित बालक छोटू आदिवासी को एनआरसी में भर्ती कराया गया और लगातार उसकी मॉनिटरिंग की गई और अब वह बालक पूरी तरह से स्वस्थ है। संभागायुक्त ने आंगनवाड़ी केंद्र में गर्भवती महिलाओं को किट प्रदान की। इसके अलावा निर्देश दिए कि आंगनवाड़ी केंद्रों में सभी व्यवस्थाएं ठीक रहना चाहिए बच्चों को पोषण आहार समय पर मिलना चाहिए। अडॉप्ट एन आंगनवाड़ी अभियान के तहत आंगनवाड़ी को गोद लेने का अभियान चलाया गया इस अभियान को और सार्थक बनाया जाए लोगों को आंगनवाड़ी से जोड़ा जाए जिससे आंगनवाड़ी केंद्र और अधिक सशक्त बनें। भ्रमण के दौरान कलेक्टर श्री अक्षय कुमार सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी भी मौजूद रहे।

तीन नवंबर तक के लिए स्थगित हुई परिषद, अगली बैठक में फिर हंगामे के आसार

ग्वालियर। नगर निगम परिषद की बैठक में तय एजेंडे पर पार्षदों के स्थगन प्रस्ताव के बाद जमकर हंगामा हुआ। अधिकतर पार्षद अपने अपने वार्डों में मौजूद जन समस्याओं को लेकर रोष में थे। ऐसे में उनका गुस्सा फूट पड़ा। ऐसे में सभापति ने तीन नवंबर तक के लिए परिषद की कार्यवाही को स्थगित कर दिया है, लेकिन अगली बैठक में फिर तय एजेंडे के बजाय हंगामे के आसार बने हुए हैं।

दरअसल, निगम सीमा में मौजूद 66 वार्डों में जन समस्याओं का अंबार लगा हुआ है। सबसे ज्यादा शिकायतें सीवर, स्ट्रीट लाइट और सड़क से जुड़ी हुई हैं। उधर निगम अधिकारियों ने आधा वित्तीय वर्ष बीतने पर पार्षदों की मौलिक निधि को आधा कर दिया है। इस पर भी पार्षदों को आपत्ति है। उनका कहना है कि मौलिक निधि आधी होने से विकास कार्यों पर असर पड़ेगा। गत शुक्रवार की बैठक में विपक्षी यानी भाजपा के पार्षदों ने जमकर सत्ता पक्ष यानी कांग्रेस और निगम के अधिकारियों को कोसा। पार्षदों का कहना था कि अधिकारी सुनते नहीं हैं। फोन तक नहीं उठाते हैं। दीपावली भले ही रोशनी का पर्व है, लेकिन स्ट्रीट लाइटें बंद रहने के कारण लोगों को अंधेरे में ये त्योहार मनाना पड़ा है। इस बात पर सत्ता पक्ष के पार्षद भी सहमत नजर आए कि निगम के अधिकारी काम नहीं कर रहे हैं और इलाकों में समस्याओं का अंबार है। पार्षदों ने सभापति की आसंदी का घेराव भी किया। इसके चलते परिषद को स्थगित किया गया है। निगम अधिकारियों को अब तीन नवंबर तक इन समस्याओं का निराकरण करना होगा, जो कि संभव नहीं है। ऐसे में अगली बैठक में फिर से हंगामा होने की संभावना बनी हुई है। सभापति मनोज तोमर का कहना है कि सभी पार्षद जनता के चुने हुए प्रतिनिधि हैं।

संक्षिप्त समाचार

स्टेशन पर देवर व भांजे को चकमा देकर स्टेशन से प्रेमी के साथ भागी युवती

ग्वालियर। स्टेशन पर एक युवती अपने देवर भांजे को चकमा दे गई और परिसर में खड़े प्रेमी के साथ भाग गई। प्रेमी पहले से ही स्टेशन परिसर में युवती का इंतजार करता रहा। भांजे व देवर को युवती नहीं मिली तो जीआरपी थाने में संपर्क किया। थाने सीसीटीवी फुटेज देखे, तो युवति एक वाइक सवार के साथ बैठती नजर आई। भिंड के मेहगांव निवासी युवती का विवाह कुछ महीने पहले शिवपुरी में हुआ था। विवाह के बाद से देवर व भांजे लेने आए थे। मेहगांव से ग्वालियर बस से आए। पहले बस स्टैंड पर आए, उसके बाद पैदल-पैदल स्टेशन पहुंचे। स्टेशन पर टिकट विंडों पर लाइन में खडे हुए थे, युवती बोली की उसे चक्कर आ रहे है। वह बाहर जा रही है। यह कहकर वह बाहर चली गई, लेकिन फिर वह नहीं लौटी। देवर व भांजे उसका इतंजार करते रहे। लंबे समय तक युवती नहीं लौटी तो स्टेशन पर तलाश की, लेकिन वह कहीं पर नजर नहीं आई। उसके बाद थाने में संपर्क किया। थाने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर युवती की तलाश की और मुंह से कपड़ा बांधे अपने प्रेमी के साथ भागती नजर आई। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज कर लिया।

फूड चौपाटी पर खाद्य विक्रेताओं को मिला खाद्य सुरक्षा का प्रशिक्षण

ग्वालियर। आमजन में स्वस्थ, सुरक्षित एवं सही खान-पान की प्रवृत्ति विकसित करने एवं मिलावट के प्रति जागृति लाने के लिए भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण नई दिल्ली द्वारा संपूर्ण भारत में ईट राइट चैलेंज प्रतियोगिता संचालित की जा रही है। इसी क्रम में ग्वालियर में भी अभिहीत अधिकारी अशोक चौहान के निर्देशन में गतिविधियां जारी हैं।इसके अंतर्गत शुक्रवार को चौपाटी स्ट्रीट फूड वेंडर्स के लिए होटल प्रहलाद इन में प्रशिक्षण कार्यक्रम रखा गया। इसमें खाद्य सुरक्षा प्रशासन ग्वालियर के खाद्य सुरक्षा अधिकारी लोकेंद्र सिंह एवं नेस्ले इंडिया लिमिटेड व नेशनल एसोसिएशन आफ स्ट्रीट वेंडर्स आफ इंडिया के ट्रेनर दिलीप कुमार प्रजापति ने प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम में 80 स्ट्रीट व फूड वेंडर ने भाग लिया, जिन्हें अंत में प्रमाणपत्र वितरित किए गए।

वार्ड 31 में हुआ सफाई मित्रो का सम्मान

ग्वालियर। नगर निगम के वार्ड 31 में आज सफाई मित्र के सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में ऊर्जा मंत्री प्रधुम्न सिंह तोमर शामिल हुए ! वार्ड - 31 के गणपति विहार पार्क में 72 सफाई मित्रो का सम्मानित किया कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने अपने उधबोधन में कहा जिनकी बजह से हम सभी स्वछता के वातावरण में सभी त्यौहार मनाते है, सर्दी हो गर्मी अपनी ड्यूटी ईमानदारी से निभाते है ऐसे अच्छे कार्य करने बाले सफाई मित्रो का सम्मान होना चाहिए ऐसे सभी सफाई मित्रो को दिल से प्रणाम करते है! कार्यक्रम में वार्ड 31 की पार्षद श्रीमती अंजना हरिबाबू शिवहरे, मंडल अध्यक्ष विकास गिरी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मीना सचान , प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अशोक शर्मा, पूर्व महापौर श्रीमती समीक्षा गुप्ता, वरिष्ठ भाजपा नेता महेश उमरेया और कई भाजपा के जनप्रतिनिधि मौजूद रहे !

पुलिस हिरासत में बिगड़ी आरोपित की हालत

ग्वालियर। झांसी रोड पुलिस की हिरासत में राजीनामा करने के लिए धमकाने के मामले में नामजद आरोपित की हालत बिगड़ गई। हालत बिगड़ने पर झांसी रोड थाने का स्टाफ उसे पहले जयारोग्य अस्पताल फिर निजी अस्पताल लेकर पहुंचा। यहां स्वजनों को खबर मिली तो यह लोग भी पहुंच गए, इसके बाद अस्पताल और थाने में स्वजनों ने जमकर हंगामा किया। हंगामा बढ़ने पर अस्पताल के दरवाजे पुलिस ने बंद करा दिए, हंगामा बढ़ने पर उसे फिर जयारोग्य अस्पताल लेकर पहुंच गए। यहां भी स्वजनों ने जमकर हंगामा किया। स्वजनों का आरोप है- झांसी रोड थाने का स्टाफ दो दिन पहले उसे पकड़कर ले आया था, उसे थाने के पीछे बने एक निजी कमरे में रखा। यहां पुलिसकर्मियों के साथ एक ऐसे युवक ने कमरे में बंद कर मारपीट की, जो पुलिस में ही नहीं है। यह पुलिसकर्मियों का करीबी है, पूरे दिन उन्हीं के साथ रहता है। स्वजनों के इन गंभीर आरोपों से झांसी रोड पुलिस कटघरे में है। देर रात तक इस मामले में हंगामा चलता रहा। पुलिस अधिकारियों का कहना है- इस पूरे मामले की जांच कराई जा रही है।

नाका चंद्रवदनी स्थित लभेड़पुरा का रहने वाला विवेक यादव दुष्कर्म के मामले में नामजद है। उसके अलावा एक और आरोपित इस मामले में शामिल है। विवेक पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। जमानत पर वह बाहर आ गया, उस पर पीड़िता ने आरोप लगाया कि वह राजीनामा करने के लिए धमका रहा है। इस पर झांसी रोड पुलिस ने उस पर राजीनामा करने के लिए धमकाने के मामले में एफआइआर दर्ज कर ली। शुक्रवार शाम को पुलिस की हिरासत में विवेक की हालत बिगड़ गई। उसकी हालत बिगड़ने पर झांसी रोड थाने का स्टाफ उसे अस्पताल ले गया। तबीयत बिगड़ने की खबर विवेक के स्वजनों को भी लग गई। विवेक के भाई ज्ञानू यादव ने नईदुनिया को बताया कि बुधवार को विवेक को झांसी रोड थाने का स्टाफ पकड़कर ले आया था। उसे थाने के पीछे निजी कमरे में रखकर मारपीट की गई। उसे डंडों से इतना पीटा गया कि उसकी हालत शुक्रवार को बिगड़ गई। इसके बाद उसे स्टाफ गुपचुप पहले जयारोग्य अस्पताल ले गया, फिर निजी अस्पताल और इसके बाद दोबारा जयारोग्य अस्पताल ले जाया गया। निजी अस्पताल में दरवाजा बंद कर लिया, जिससे अंदर न जा सकें। देर रात तक विवेक का इलाज अस्पताल में चल रहा था। खबर लिखे जाने तक आरोपित के स्वजन थाने के बाहर पहुंच गए थे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णौपुरम्, एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रित करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनूमान मंदिर के पास, भिण्ड रोड, गोले का मंदिर जिला ग्वालियर, मध्य प्रदेश 474005 से प्रकाशित। संपादक- भरत सिंह चौहान पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार। E-mail : pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, M.: 8269307478